सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-169
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

इंदौर, मंगलवार 24 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

अच्छे विचार और अच्छी सोच से आचरण भी अच्छा बनता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

तिरुपति मंदिर का हुआ 'शुद्धिकरण'...भगवान वेंकटेश्वर स्वामी से मांगी माफी

पुजारी बोले- अब चिंता की कोई बात नहीं, आएं और प्रसाद घर ले जाएं

तिरुपति। आंध्रप्रदेश के तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर का सोमवार को 'शुद्धिकरण' किया गया। इसके लिए 4 घंटे का 'शांति होमम् पंचगव्य प्रोक्षण' अनुष्ठान चला। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के सूत्र ने बताया कि यह अनुष्ठान सुबह 6 बजे से 10 बजे तक चला। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य तिरुपति के लड्डुओं को बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल जैसे कथित कृत्यों से हुए अपवित्रीकरण के बाद मंदिर का शुद्धिकरण करना था। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने कहा कि इस अनुष्ठान के जरिये श्रीवरि भक्तों के कल्याण की कामना करते हुए नकारात्मक प्रभावों को नष्ट किया गया। साथ ही लड्डू प्रसादम की पवित्रता को बहाल किया गया।

मंदिर के मुख्य पुजारियों में से एक कृष्ण शेषचला दीक्षितुलु ने इस शुद्धिकरण के बारे में अधिक जानकारी दी। उन्होंने कहा, पिछले 4-5 दिनों से दुनियाभर में ऐसी कई खबरें फैली कि बालाजी के प्रसाद में जिस घी का उपयोग किया गया, उसमें पशु चर्बी मिली हुई थी। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार ने यह साबित भी किया कि लैब रिपोर्ट्स दिखा रही हैं कि घी में कुछ मिलावट थी। इसलिए, सरकार का प्रस्ताव आया कि मंदिर के स्थानों को शुद्ध करने के लिए क्या किया जाए। इस पर हम प्रबंधन के पास गए और शांति होम कराने की मांग रखी। इसकी मंजूरी मिलने के बाद सोमवार सुबह हमने अनुष्ठान शुरू किया जो पूरा हो गया है।

चार घंटे चला अनुष्ठान मंदिर के पुजारी ने कहा कि सुबह 6 बजे के बाद हमने भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया और इजाजत लेकर गर्भगृह में गए। उन रसोईघरों में भी शुद्धिकरण किया, जहां प्रसाद तैयार किया जाता है। अब सब कुछ शुद्ध हो गया है। उन्होंने कहा, सभी भक्तों से मेरा अनुरोध है कि अब उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप सब भगवान बालाजी के दर्शन करें और प्रसाद लेकर अपने घर जाएं। यह अनुष्ठान सुबह छह बजे शुरू हुआ और सुबह 10 बजे तक चला। इसका उद्देश्य भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को खुश करना था। भगवान वेंकटेश्वर स्वामी से माफी मांगी गई।

क्या है महा शांति होम भगवान वेंकटेश्वर मंदिर महा शांति होमम्, इसलिए किया गया, ताकि मंदिर के लड्डू प्रसादम में यदि जानवरों की चर्बी मिलाए जाने के कारण मंदिर अपवित्र हुआ है तो इसके जरिये इस अपवित्रता को दूर किया जा सके। मुख्य रूप से महा शांति होमम् शुद्धिकरण के लिए होता है। हिंदू धर्म के अनुसार, किसी भी स्थान को साफ करने के लिए ही उसका शुद्धिकरण कया जाता है। महा शांति होमम के दौरान कई तरह के मंत्र जपे जाते हैं। हवन किए जाते हैं। इससे वह स्थान पवित्र हो जाता है।

घी सप्लायर को कारण बताओ नोटिस श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलने के विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने चार कंपनियों के घी के सैंपल मंगवाए।

बुरहानपुर जिले में ट्रैक पर फटे डेटोनेटर्स के मामले में रेल कर्मचारी गिरफ्तार

खंडवा का रहने वाला है आरोपी, सिमी से जुड़े होने की आशंका

बुरहानपुर। मध्यप्रदेश, यूपी, पंजाब, राजस्थान में ट्रेनों को पलटाने की साजिश के मामलों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। एटीएस अब तक इन मामलों में कोई साजिश है या शरारत, इसकी गुत्थी को सुलझा नहीं पाई है। अब सारी उम्मीदें एनआईए पर टिकी हैं। एनआईए के अधिकारियों को शक है कि इसमें किसी मॉड्यूल का हाथ है, जो लगातार अपने आकाओं के निर्देश पर साजिश को अंजाम देने में लगा है। वहीं बुरहानपुर के सागफाटा रेलवे स्टेशन के पास आर्मी की स्पेशल ट्रेन गुजरने से पहले ट्रैक पर फटे डेटोनेटर्स के मामले में आरपीएफ ने रेलवे के ही एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। सोमवार को उसे खंडवा सिविल कोर्ट में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जगत प्रताप अटल की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 25 सितंबर तक रिमांड दी है। एक अन्य कर्मचारी से भी पूछताछ की गई है, जिसे नोटिस दिया गया है।

बार-बार बयान बदल रहा आरोपी साबिर गिरफ्तार आरोपी साबिर रेलवे में मेट है। आरोपी साबिर खंडवा की गुलमोहर कॉलोनी का निवासी है। जांच एजेंसी को उसके सिमी से जुड़े होने की आशंका है। इस दिशा में भी जांच की जा रही है। आरपीएफ ने लोकल पुलिस से उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी मांगा है। खंडवा आरपीएफ के इंस्पेक्टर संजीव कुमार के मुताबिक आरोपी बार-बार बयान बदल रहा है। उसने यह भी बताया है कि इंचार्ज से खुन्नस निकालने के लिए ऐसा किया है। खंडवा के आरपीएफ थाने में भुसावल से आए अधिकारी भी उससे पूछताछ कर रहे हैं।

आरोपी का दावा- घटना वाले दिन ड्यूटी पर नहीं था आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के मुताबिक रेलवे संपत्ति गैरकानूनी कब्जा अधिनियम की धारा 3 (ए) के तहत डेटोनेटर चोरी करने के आरोप में साबिर के खिलाफ केस दर्ज किया था। सिर्फ दो या तीन सरकारी विभागों के पास ये डेटोनेटर होते हैं। इन्हें आरोपी को आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया था। आरपीएफ इंस्पेक्टर के मुताबिक साबिर ने पूछताछ में दावा किया है कि घटना वाले दिन वह ड्यूटी पर नहीं था और नशे में था। रेलवे सूत्रों के अनुसार, दिल्ली-मुंबई ट्रैक पर सागफाटा से डोंगरगांव के बीच 10 डेटोनेटर करीब एक से डेढ़ फीट के अंतराल से रखे गए थे। ट्रेन खंडवा से होते हुए तिरुवनंतपुरम जा रही थी। इसमें आर्मी के अफसर कर्मचारी और हथियार थे मामले को रेल मंत्रालय ने काफी गंभीरता से लिया है।

उज्जैन में बुजुर्ग तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट, ढाई करोड़ रुपए वसूले

उज्जैन। मध्यप्रदेश में साइबर ठग इन दिनों नए-नए तरीकों से लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। इस बीच उज्जैन जिले में एक रिटायर्ड अफसर को डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाकर उनसे 2.5 करोड़ रुपए का फ्रॉड किया गया। आरोपियों ने सीबीआई अधिकारी बनकर कॉल किया और बुजुर्ग को पोर्न वीडियो और मनी लॉन्ड्रिंग के केस में नाम शामिल होने की बात कह कर डराया। इसके बाद तीन दिन तक घर से बाहर नहीं निकलने दिया। मामला उज्जैन जिले के मंगल कॉलोनी का है। यहां रहने वाले 76 साल के रिटायर्ड अफसर को एक कॉल आया। जानकारी के मुताबिक कॉल करने वाले शख्स ने खुद को सीबीआई का अफसर बताया. साथ ही कहा कि रिटायर्ड अधिकारी के खिलाफ मुंबई के तिलकनगर थाने में पोर्न वीडियो के संबंध में केस दर्ज है। यह सुन रिटायर्ड अफसर परेशान हो गए। इसके बाद उन्हें एक और कॉल आया, जिसने खुद को मुंबई के अंधेरी थाने का एसआई ताया। साथ ही कहा कि बुजुर्ग का नाम मनी लॉड्रिंग और पोर्न वीडियो के केस में सामने आया है। इस मामले में तीन साल की जेल और 5 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। आरोपियों ने बुजुर्ग को धमकी देकर तीन दिन तक घर में बंद रखा। साथ ही उन्हें किसी से भी मिलने, शिकायत करने और बातचीत करने के लिए भी मना किया। इन तीन दिनों तक लगातार आरोपियों ने बुजुर्ग को फोन किया और पैसों की डिमांड की। इस तरह तीन दिन में बुजुर्ग से 2.5 करोड़ रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए। बुजुर्ग ने माधवनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि घटना 11 से 13 सितंबर के बीच की है। आरोपियों ने बुजुर्ग को पोर्न वीडियो और मनी लॉन्ड्रिंग के केस में नाम शामिल होने की बात कहकर डराया।इसके बाद 4 अलग-अलग राज्यों के खातों में 2 करोड़ 55लाख 50 हजार रुपए ट्रांसफर कराए।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा-चाइल्ड पॉर्न देखना-डाउनलोड करना पॉक्सो-आईटी कानून के तहत अपराध, कोर्ट की टिप्पणी- देश में यौन शिक्षा के बारे में गलत धारणाओं की पैठ

...तो देश में होगी सेक्स एजुकेशन की शुरुआत?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि केवल बाल पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पॉक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत अपराध नहीं है। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस फैसले पर सुनवाई करते हुए कहा कि बाल पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना, फोन में रखना और देखना पॉक्सो और आईटी एक्ट के तहत अपराध है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्र की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े फोटो-वीडियो को स्टोर करना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध है। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने संसद को पॉक्सो अधिनियम में संशोधन के लिए कानून लाने का सुझाव दिया, जिसमें 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' शब्द को 'चाइल्ड यौन शोषण और अपमानजनक सामग्री' से बदल दिया जाए। चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर नियम तय किए जाएं ताकि बच्चों को उत्पीड़न से बचाया जा सके।

मद्रास हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था आपराधिक केस मद्रास हाईकोर्ट ने एस हरीश के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम, 2012 और आईटी अधिनियम, 2000 के तहत आपराधिक मामला रद्द कर दिया था। आईटी अधिनियम की धारा 67 बी के तहत अपराध गठित करने के लिए, एक आरोपी को यौन-स्पष्ट कार्य या आचरण में बच्चों को चित्रित करने वाली सामग्री प्रकाशित, प्रसारित या बनाई जानी चाहिए, यह कहा गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि इस प्रावधान को ध्यान से पढ़ने से बाल पोर्नोग्राफी देखना, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67बी के तहत अपराध नहीं बनता है।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी इसी फैसले में बेंच ने एक अहम टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार से देशभर में सेक्स एजुकेशन प्रोग्राम लागू करने का भी आह्वान किया है। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने पर विचार करे। पीठ ने कहा कि भारत में यौन शिक्षा के बारे में गलत धारणाएं व्यापक तौर पर अपनी पैठ बनाए हुए है। यहां लोग सामाजिक कलंक की वजह से यौन स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बात करने से कतराते हैं, जिसके परिणामस्वरूप किशोरों के बीच यौन स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की गलतफहमियां पैदा होती हैं और वे कई बार गलत रास्ते पर चले जाते हैं। पीठ ने टिप्पणी की कि रूढ़िवादी समाज में माता-पिता और शिक्षकों समेत अधिकांश लोग सेक्स पर चर्चा करना गलत, अनैतिक या शर्मनाक महसूस करते हैं।

प्रचलित गलत धारणा बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, पीठ ने कहा कि एक प्रचलित गलत धारणा यह है कि सेक्स एजुकेशन युवाओं में संकीर्ण सोच और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को बढ़ावा देती है। आलोचक अकसर यह तर्क देते हैं कि यौन स्वास्थ्य और गर्भनिरोधकों के बारे में जानकारी देने से किशोरों यौन गतिविधियों में लिप्त हो जाएंगे और यौन गतिविधियां बढ़ जाएंगी। हालांकि, शोध से पता चला है कि सेक्स एजुकेशन वास्तविकता में यौन गतिविधि की शुरुआत में देरी करता है और यौन रूप से सक्रिय लोगों के बीच सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देता है।

पॉक्सो ऐक्ट के सेक्शन 15 के तहत होगी इतनी सजा उच्चतम न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया है और युवक के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में पॉक्सो ऐक्ट के सेक्शन 15 का जिक्र किया, जिसमें चाइल्ड पोर्नोग्राफी वाली सामग्री को रखना अपराध माना गया है। इस सेक्शन में कहा गया है, यदि कोई व्यक्ति चाइल्ड पोर्नोग्राफी वाली सामग्री रखता है तो उस पर 5 हजार तक का फाइन लगेगा। इसके बाद भी ऐसा ही अपराध करने पर 10 हजार फाइन और फिर ऐसा किए जाने पर फाइन के साथ ही तीन से 5 साल तक की सजा हो सकती है। यही नहीं बाद में भी ऐसा होने पर 7 साल तक की कैद हो सकती है। इसी प्रावधान का जिक्र करते हुए शीर्ष अदालत ने यह फैसला सुनाया।

बदलापुर में दो बच्चियों का शोषण करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया

बदलापुर। महाराष्ट्र के बदलापुर में अगस्त में हुए दुष्कर्म के आरोपी अक्षय शिंदे ने पुलिस हिरासत में पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर गोली चलाई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी घायल हो गया। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में अक्षय शिंदे ने दम तोड़ दिया। घटना में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। दरअसल आरोपी अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से पुलिस यौन उत्पीड़न के मामले में रिमांड पर लेकर बदलापुर जा रही थी। इस दौरान आरोपी अक्षय शिंदे ने गाड़ी में एक पुलिसकर्मी से रिवाल्वर छीन ली और पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। इसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर फायरिंग की गई। इसमें अक्षय शिंदे को गोली लग गई। इससे वह घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां अक्षय शिंदे ने दम तोड़ दिया।

ऑस्कर 2025: फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने किरण राव की फिल्म को लेकर की पुष्टि

'लापता लेडीज' करेगी भारत का प्रतिनिधित्व, ऑस्कर के लिए भेजा

मुंबई। किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' इस साल प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कारों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। फिल्म फेडरनेशन ऑफ इंडिया ने फिल्म को भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में ऑस्कर में भेजा है। फिल्म फेडरनेशन ऑफ इंडिया की तरफ से इसकी पुष्टि की गई है। बीते दिनों किरण राव ने यह इच्छा जताई थी कि उनकी फिल्म लापता लेडीजको ऑस्कर में भेजा जाए। किरण राव ने कहा था कि उनकी यह तमन्ना है कि फिल्म लापता लेडीज ऑस्कर की रेस में शामिल हो। और सोमवार फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इस फिल्म को ऑस्कर में आधिकारिक एंट्री के रूप में भेजे जाने की पुष्टि कर दी है।

29 फिल्मों की सूची में से चयन फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सोमवार को ऐलान किया है कि लापता लेडीज को ऑस्कर 2025 के लिए आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया है। रणबीर कपूर की 'एनिमल', मलयालम फिल्म 'आट्टम' और पायल कपाड़िया की 'ऑल वी इमेजिन एड लाइट' समेत 29 फिल्मों की सूची में से 'लापता लेडीज' का चयन किया गया है।

सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फिल्म श्रेणी में भेजा गया असमिया निर्देशक जाह्नु बरुआ की अध्यक्षता वाली 13 सदस्यीय चयन समिति ने सर्वसम्मति से आमिर खान और राव द्वारा निर्मित 'लापता लेडीज' को अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फिल्म श्रेणी में शामिल करने का फैसला किया। इस लिस्ट में तमिल फिल्म 'महाराजा', 'कल्कि 2898 एडी', 'हनुमान', 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' और 'आर्टिकल 370' भी लिस्ट में शामिल थीं। हालांकि, बाजी 'लापता लेडीज' ने मारी है।

समाज को जागरुक करने वाली फिल्म फिल्म 'लापता लेडीज' दो भारतीय दुल्हनों की कहानी पर आधारित है, जिसमें विदाई के बाद ससुराल जाते हुए दोनों ट्रेन में गलती से बदल जाती हैं। फिल्म की कहानी दिल छू लेने वाली है। इसे आमिर खान प्रोडक्शंस और किरण राव के किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूसर किया गया है।

स्कूल के मैदान पर गिरी बिजली, बच्चों सहित आठ लोगों की मौत

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के एक गांव में बिजली गिरने से स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना सोमनी थाना क्षेत्र के जोरातराई गांव में दोपहर करीब 1.30 बजे हुई। वहीं घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। राजनांदगांव के पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने फोन पर पीटीआई को बताया कि कुछ स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की बिजली गिरने से मौत हो गई। इसके अलावा, एक व्यक्ति के घायल होने की खबर है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव के सरकारी स्कूल के बच्चे भोजन अवकाश पर मैदान में खेल रहे थे और वो आकाशीय बिजली के चपेट में आ गए।

खजराना गणेश के लड्डू और भोजन प्रसादी बिलकुल शुद्ध

इंदौर। आंध्रप्रदेश के तिरुपति के तिरुमला मंदिर में लड्डू प्रसाद में पशुओं की चर्बी और मछली का तेल मिला होने के विवाद के बाद देशभर के मंदिरों में प्रसाद की जांच की जा रही है। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर के लड्डू प्रसाद की जांच भी की गई। भारत सरकार की एजेंसी भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने वर्ष 2023-24 में मंदिर को हाइजीनिक सर्टिफिकेट दिया है। मंदिर में प्रसाद स्वरूप लड्डू तथा भोजन प्रसादी में दाल चावल सब्जी रोटी और खीर का वितरण किया जाता है। श्री गणपति मंदिर प्रबंध समिति खजराना के संचालक से मिली जानकारी के अनुसार अन्नक्षेत्र व लड्डू प्रसादी में लगने वाली सामग्री उच्च गुणवत्ता वाली उपयोग की जाती है। लड्डू बनाने के पहले घी, बेसन, शकर, ड्रायफ्रूट्स की क्वालिटी चेक की जाती है। इसी तरह अन्नक्षेत्र में भी तुअर दाल, चावल, मसाले, तेल, केसर, आटा व सभी सामग्री ब्रांडेड होने के साथ उपयोग से पहले परखी जाती है। वर्ष 2022-23 में मंदिर प्रबंधन ने 83 लाख 90 हजार 139 रुपए की सामग्री मानक नियमों के अनुसार खरीदी।

इसी कारण एफएसएसएआई द्वारा समय-समय पर शुद्धता का प्रमाण पत्र दिया जाता रहा है। चालू वित्त वर्ष में भी प्रमाण पत्र मिला है। अन्नक्षेत्र की प्रबंधक जया महाजन ने बताया कि हर दिन यहां तीन हजार लोग भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। लोग दान देते हैं जिससे यह सेवा कार्य चलता है। अभी 600 दानदाता हर साल 51 हजार रुपए का दान देते हैं। इसके अलावा हर दिन भी दानदाता मदद करते हैं। दानदाता स्वयं अपने हाथों से भक्तों को भोजन करवाते हैं। भोजन में दाल चावल सब्जी रोटी और खीर रहती है। दोपहर में कड़ी खिचड़ी रहती है। अन्नक्षेत्र 13 साल से यहां पर चल रहा है और दुनियाभर के भक्तों को भोजन प्रसादी कर रहा है। खजराना मंदिर के समिति सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार मंदिर में अंदर 55 व बाहर 30 दुकानों हैं जहां से लड्डू का प्रसाद बिकता है। वहीं बुधवार को 75 क्विंटल लड्डू बिकते हैं। सप्ताह के अन्य दिनों में औसत 15 क्विंटल बिक्री होती है। प्रमुख त्योहार जैसे गणेश चतुर्थी, तिल चतुर्थी, 1 जनवरी को 500 क्विंटल तक लड्डू बिकते हैं। दुकानदार भी प्रसाद की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करते। समिति सदस्यों द्वारा दुकानों पर बिक रहे लड्डू की आकस्मिक जांच भी की जाती है। खजराना गणेश मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। यहां आम दिनों में 25 से 30 हजार श्रध्दालु दर्शन करने आते है। हर बुधवार यहां 1 लाख से ज्यादा भक्त गणेशजी का आशीर्वाद लेते है। यहां आज तक भोजन प्रसादी की गुणवत्ता को लेकर कोई शिकायत नहीं आई है।

तिरुपति बालाजी के प्रसाद की मिलावट के खिलाफ कल शांति मार्च- शहर के धर्मगुरु तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी के मिलावट की कथित घटना के विरोध में एकजुट हो गए है। इसके विरोध में 25 सितंबरको श्री लक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान छत्रीबाग में एकत्रीकरण दोपहर 3.00 बजे से होगा। इसके बाद श्रद्धालु एक शांति मार्च निकालकर शाम 4 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर धर्मसभाके बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन कलेक्टर को प्रदान किया जाएगा। नागोरिया पीठाधीश्वर विष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज और अण्णा महाराज ने बताया कि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न हो इसलिए हम मांग करते हैं कि दोषियों को चिन्हित कर कठोर दंड दिया जाए और धर्मस्थलो की व्यवस्था में प्रशासनिक दखलंदाजी भी बंद हो। सरकार को धार्मिक देवस्थानों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। विशेष परिस्थितियों में पुरानी परंपरा को जीवित कर ट्रस्ट के माध्यम से संचालित किया जाए। यहां के कार्यों में धमार्चार्यों को प्रधानता दी जानी चाहिए। जिन देवस्थानों का संचालन अभी किसी वजह से शासन के हाथों में है वहां भी गैरसनातनी कि नियुक्ति नहीं होनी चाहिए। रणजीत हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी दीपेश व्यास का कहना था कि हर जिले में सनातन धर्मरक्षण बोर्ड का गठन होना चाहिए।सरकार द्वारा हर जिले में देसी गाय की गोशाला का निर्माण कर देवालयों को संचालन हेतु प्रदान करना चाहिए।

पुष्यमित्र भार्गव बने मप्र मेयर काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष

देवास। देवास में आयोजित ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की बैठक के दौरान इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव को सर्वसम्मति से मध्य प्रदेश मेयर काउंसिल का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद मेयर भार्गव मध्य प्रदेश के सभी महापौरों का प्रतिनिधित्व करेंगे। स्थानीय प्रशासनिक मुद्दों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में उपस्थित मेयर काउंसिल ऑफ इंडिया की अध्यक्ष माधुरी पटेल और संगठन के महासचिव उमा शंकर गुप्ता ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव का स्वागत करते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया।

भार्गव की इस नई जिम्मेदारी के तहत वे प्रदेश के सभी महापौरों के प्रशासनिक मुद्दों को सुलझाने और उनकी आवाज को प्रदेश स्तर पर बुलंद करने का काम करेंगे। इस अवसर पर महापौर ने सभी महापौरों और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उनका उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न नगर निगमों में विकास कामों को तेजी से आगे बढ़ाना और स्थानीय प्रशासन को सुदृढ़ बनाना रहेगा।

नई नीतियों और योजनाओं को बल मिलेगा पुष्यमित्र भार्गव की इस नियुक्ति से इंदौर के साथ-साथ पूरे प्रदेश में हर्ष का माहौल है। यह चुनाव महापौर परिषद के महत्व और उनके प्रभाव को और भी बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है, जिससे प्रदेश में शहरी विकास के लिए नई नीतियों और योजनाओं को बल मिलेगा। इस बैठक में कई महापौर और नगर निगम के अधिकारियों ने भाग लिया और प्रदेश की शहरी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अब सभी की निगाहें पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में महापौर परिषद के आगामी कदमों पर टिकी हैं।

इंदौर को एक और सौगात, दो साल में मरीमाता चौराहे पर बनेगा फ्लाईओवर

इंदौर। इंदौर के पूर्वी क्षेत्र की तुलना में पश्चिमी क्षेत्र में ब्रिज, फ्लायअ?ोवर कम है, लेकिन दो साल के भीतर इस इलाके में नए ब्रिज नजर आने लगेंगे। इससे पहले बाणगंगा रेलवे क्रासिंग पर आठ साल पहले ब्रिज बनाया गया था। नया ब्रिज मरीमाता चौराहा पर बनेगा। इसकी एक भुजा पोलोग्राउंड की तरफ होगी और दूसरी भुजा एयरपोर्ट रोड पर होगी। एयरपोर्ट पर वीवीआईपी आने के शहर आगमन के समय भी यह ब्रिज उपयोगी साबित होगा। तब चौराहे के नीचे का ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। नगर निगम ने इस ब्रिज के टेंडर भी जारी कर दिए है। 40 करोड़ रुपये से अधिक की राशि इस ब्रिज के निर्माण पर खर्च होगी। जिस तरफ ब्रिज बन रहा है। उस पर दस साल पहले चौड़ा फीडर मार्ग बना था, इस कारण ब्रिज के लिए कोई निर्माण बाधक नहीं बन रहे है। इस ब्रिज की लंबाई 592 मीटर है। ब्रिज छह लेन बनेगा। बीच के मध्य हिस्से का स्पॉन चौड़ा होगा। उनकी लंबाई 30 मीटर रहेगी, ताकि नीचे चौराहे पर पिलर ट्रैफिक में बाधक न बने। ब्रिज पर फुटपाथ भी बनाए जाएंगे। ब्रिज के लिए मिट्टी परीक्षण भी हो चुका है। इस ब्रिज के निर्माण की समयसीमा 20 माह तय की गई है। बारिश के बाद ब्रिज का निर्माण शुरू हो जाएगा। इंदौर में दो सालों से सात ब्रिजों का एक साथ निर्माण जारी है। खजराना चौराहे पर ब्रिज बनकर तैयार हो चुका है। भंवरकुआ चौराहा, फूठीकोठी, सत्यसांई चौराहा, मुसाखेड़ी चौराहे के अलावा लवकुश चौराहे पर दो ब्रिज तैयार हो रहे है। मरीमाता चौराहे के अलावा बड़ा गणपति चौराहे पर भी ब्रिज बनाने की योजना है। दोनो नए ब्रिज नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र में बनेंगे।

इंदौर पहुंचे 74 में से 24 मेट्रो कोच का हो रहा ट्रायल रन

इंदौर। इंदौर में इस साल मेट्रो ट्रेन के सत्रह किलोमीटर तक रेडिसन चौराहे के ट्रैक का ट्रायल रन होना है। इसके लिए तैयारियां जोरों पर है। इसके बाद कमर्शियल रन शुरू होगा। इंदौर में कुल 74 कोच आना है। अब तक 24 को वडोदरा से इंदौर पहुंच चुके है। हर कोच का ट्रायल रन मेट्रो कार्पोरेशन की टीम कर रही है, ताकि उनकी टेस्टिंग हो सके। इंदौर के कोच की सप्लाई का जिम्मा मेट्रो कार्पोरेशन ने एल्टाम कंपनी को दिया है। तीन हजार करोड़ रुपये इसके निर्माण पर खर्च हो रहे है। मेट्रो के कोच फिलहाल गांधी नगर मेट्रो स्टेशन में खडे है। इस स्टेशन को 70 एकड़ में तैयार किया गया है। यहां एक कंट्रोल रुम भी बनेगा। इंदौर में ड्रायवर रहित लाइट मेट्रो चलेगी। इंदौर में 20 से ज्यादा ट्रेनें चलेंगी। हर इंजन के साथ तीन कोच होंगे। इस ट्रेन में 400 से ज्यादा यात्री सफर कर सकते है। कई आधुनिक सुविधाएं कोच में रहेगी। भीतर और कोच के बाहर कैमरे भी लगाए जाएंगे। इंदौर में आए 24 कोचों से ट्रेन के आठ सेट तैयार हो चुके है। वड़ोदरा के सावली प्लांट में कोच का निर्माण चल रहा है। बड़े ट्रालों में इन कोचों को रखकर इंदौर भेजा जाता है। क्रेन की मदद से कोच को पटरी पर रखा जाता है। इंदौर में मेट्रो ट्रेन के 17 किलोमीटर हिस्से में ट्रायल रन शुरू हो सकता है। एयरपोर्ट रोड से रेडिसन चौराहा तक मेट्रो का नियमित संचालन हो फरवरी 2025 तक हो सकता है। इसके लिए लवकुश चौराहा, एमआर-10 ब्रिज, चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा, बापट चौराहा, विजय नगर चौराहा, रेडिसन चौराहे पर स्टेशन का काम अंतिम दौर में चल रहा है।

घूस लेते पकड़ा गया प्रशिक्षण संस्था का निदेशक और उसकी पत्नी

इंदौर। दो लाख के लंबित बिलों के भुगतान के एवज में लोकायुक्त पुलिस ने बड़वानी से स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक सौजन्य जोशी और उसकी पत्नी जागृति जोशी को घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा। उसने स्वयं सहायता समूह चलाने वाली महिला से 48 हजार रुपय की घूस मांगी थी। इसकी शिकायत महिला ने लोकायुक्त को की। इसके बाद आरोपी रंगे हाथ पकड़े गए। लोकायुक्त पुलिस के अनुसार आवेदिका पिंकी पवार पति घनश्याम पवार बड़वानी में मां वैष्णवी स्व सहायता समूह संचालित करती है। पिंकी स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी में प्रशिक्षण के लिए आने वाले महिला और पुरुषों के भोजन के लिए कैंटीन का संचालन करती है। आवेदिका द्वारा माह जुलाई 2024 से 20 अगस्त 2024 तक प्रदान किए गए भोजन की राशि 193167 रुपए के बिल स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में प्रस्तुत किए गए। बिलों के भुगतान के लिए संस्थान के निदेशक सौजन्य जोशी से मुलाकात की गई तो उनके द्वारा बिलों का भुगतान किए जाने के एवज में 48 हजार कमीशन की मांग की। इसकी शिकायत पिंकी ने लोकायुक्त पुलिस में की। तय योजना के तहत पहली किस्त के रुप में दस हजार रुपये लेने के लिए जोशी ने पिंकी को अपने कार्यालय में बुलाया। तब उसक पत्नी जागृति जोशी भी साथ में थी। जैसे ही आरोपी ने दस हजार की गड्डी ली और गिनने लगा तो लोकायुक्त की टीम ने उसे दबोच लिया। वह घूस नहीं लेने की बात करने लगा, लेकिन जब उसके हाथ धुलवाए गए तो नोट में लगा केमिकल उसके हाथों से निकला। पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

इंदौर में इस माह औसत पांच इंच कम बारिश, अब कोटा पूरा होने के आसार नहीं

इंदौर। इंदौर में इस बार अगस्त ने भले ही अच्छा तर किया हो लेकिन सितम्बर के चौथा हफ्ता शुरू होने के बाद भी मौसम की बेरुखी बनी हुई है। इस माह दो इंच ही बारिश हुई है, जबकि माह का औसत कोटा 7 इंच का है। चिंता वाली बात यह है कि सीजन का औसत कोटा 36 इंच का है और 31 इंच ही बारिश हुई है। अब सिर्फ सितम्बर का एक हफ्ता ही बाकी है। वहीं इसके पहले सितम्बर 2015 में सिर्फ एक इंच ही बारिश हुई थी। अगले हफ्ते तक स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने के संकेत भी नहीं हैं। अगर बारिश नहीं हुई तो एक दशक में सितम्बर माह ऐसा होगा कि माह का औसत बारिश का कोटा भी पूरा नहीं होगा। ऐसे ही सीजन के 5 इंच की कोटा भी पूरा नहीं हो सकेगा। इस माह सबसे ज्यादा बारिश 1 सितम्बर को करीब एक इंच बारिश हुई थी। बाकी दिनों में सिर्फ 1 इंच पानी बरसा। पिछले साल सितम्बर में 20 इंच बारिश हुई थी। इस बार अगस्त में 15 इंच से ज्यादा बरसा था जिसने बड़ी राहत दी थी लेकिन अभी स्थिति विपरीत है। अभी 5 इंच बारिश की जरूरत है। इससे पहले 2019 में 37 इंच पानी बरसा था। मौसम विशेषज्ञ अजय कुमार शुक्ला के मुताबिक इस बार केरल, मुंबई में मानसून समय पर आया, लेकिन अरब सागर से आया सिस्टम मध्य प्रदेश की सीमा यानी बुरहानपुर, सेंधवा पर आकर कमजोर पड़ गया। ऐसी ही सीजन में बंगाल की खाड़ी में गतिविधि बहुत देरी से शुरू हुई।

चेहरे और हाथ में डली थी रॉड, दर्द से परेशान ठेकेदार ने लगा ली फांसी

इंदौर। एरोड्रम इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग ठेकेदार ने रविवार को फांसी लगा ली। एक्सीडेंट के कारण उन्हें चेहरे और हाथ में रॉड डली थी, इसके दर्द से वे परेशान रहते थे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले वे एक्सीडेंट में घायल हो गए थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम शिवराम (67) पुत्र मोना जी पगारे निवासी कॉलोनी नगर है। पत्नी आनंदी ने रविवार की शाम उन्हें फंदे पर लटके हुए देखा और बेटे को सूचना दी। पत्नी आनंदी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें मुंह में काफी दर्द होता था। वे कुछ खा भी नहीं पाते थे। परिवार में चार बेटियां और एक बेटा है। बेटा भी ठेकेदारी करता है।

पत्नी बच्चों से अलग रह रहे मकान कारीगर फांसी लगाकर दे दी जान

इंदौर। हीरानगर इलाके की छोटी भमोरी में रहने वाले एक मकान कारीगर ने रविवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपने पत्नी और दो बेटों से अलग रहते थे। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम कैलाश (50) पुत्र विष्णु प्रसाद यादव है। रविवार देर शाम भतीजी ने उन्हें फंदे पर लटके देखा था। भतीजी ने बेटे रोहन और अन्य लोगों को जानकारी दी। बताया जाता है कि कैलाश अपने पत्नी-बच्चों से अलग भाई के पास नजदीक के घर में रहते थे। पुलिस के मुताबिक आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

नेपाल भेजे जा रहे थे चोरी के 294 मोबाइल, घर में दबिश देकर की जब्ती

इंदौर। शहर में चोरी के मोबाइल को विदेश में भेजे जा रहे हैं। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में क्राइम ब्रांच की टीम ने रविवार रात एक घर में दबिश दी, जहां से चोरी के 294 मोबाइल जब्त किए। इन मोबाइलों को नेपाल भेजने की तैयारी की जा रही थी। इन मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये बताई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक संदीप कश्यप पुत्र रामचंद्र (32) निवासी प्रभु नगर के पास से मोबाइल जब्त किए हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह बेरोजगार था। जितेंद्र उर्फ जानी वासवानी ने उसे मोबाइल की डिलीवरी कार्य करने का बोलकर अच्छी सैलरी देने का वादा कर नौकरी पर रखा था। संदीप मोबाइल इंदौर से नेपाल डिलीवरी का कार्य करता था। पूर्व में जानी के कहने पर 60 मोबाइल नेपाल में भेज कर चुका है। बता दें कि आरोपी का साथी जानी पूर्व में भी चोरी के मोबाइल खरीदीझबिक्री प्रकरण में रावजीबाजार एवं क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में जेल जा चुका है। पूर्व में इससे करोड़ों रुपये कीमत के सैकड़ों मोबाइल जब्त किए गए थे। बताया जा रहा है कि आरोपित ने यह मोबाइल चोरों से संपर्क कर खरीदे थे। जानी चोरी के मोबाइल को इंदौर के अलावा अन्य राज्यों से भी मंगवाता था और इनके आईएमईआई नंबर बदलकर उन्हें अन्य देश में भेजने का काम करता था। जॉनी के पास से पूर्व में रावजी बाजार पुलिस ने 634 मोबाइल जब्त किए थे। वह पूर्व में जेल जा चुका है। रावजी बाजार पुलिस ने जब 634 मोबाइल को लेकर जितेंद्र के यहां पर दबिश दी थी। जब संदीप को रावजी बाजार के पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया था।

अंतरराज्यीय बस टर्मिनल दिसंबर से होगा शुरू

इंदौर। एमआर-10 कुमेड़ी स्थित निमार्णाधीन अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का काम अंतिम दौर में है। इस टर्मिनल का काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। दिसंबर से प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही एमआर-19 सहित अन्य स्थानों पर भी बस स्टैंड के लिए जमीन देखी जाएगी। सोमवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने बताया कि अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल से बसों के संचालन के संबंध में एक उप समिति का गठन किया गया है। यह समिति एआईसीटीएसएल के सीईओ दिव्यांक सिंह के मार्गदर्शन में काम करेगी।

काटकूट के जंगल में नदी में डूबा युवक, ढूंढने में आ रही दिक्कत

इंदौर। इंदौर के एमआईजी इलाके से गणेश विसर्जन के लिए अपने साथियों के साथ गए एक युवक की कनाड़ नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना रविवार शाम को हुई जब शुभम पुत्र रमेश पाल (28) अपने दोस्तों के साथ काटकूट के जंगल में गणेश विसर्जन के लिए पहुंचा। पुलिस ने बताया कि शुभम और उसके दोस्त नहाने के लिए कनाड़ नदी में उतरे थे, लेकिन शुभम गहराई में चला गया और लौट नहीं सका। उसके दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। दोस्तों ने देर शाम पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद बलवाड़ा पुलिस ने खरगोन से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। बलवाड़ा टीआई अनिल बामनिया ने बताया कि सोमवार सुबह से शुभम की तलाश की जा रही है, लेकिन नदी में पानी का स्तर बढ़ने से तैराकों को ढूंढने में दिक्कत आ रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, शुभम और उसके दोस्त जिस जगह नहा रहे थे, वहां पत्थरों से पानी गिरता है और पानी का फ्लो बढ़ने से दोस्त फिसल गए थे, लेकिन उन्होंने खुद को बचा लिया था। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे तलाश अभियान में दिक्कत आ रही है। बलवाड़ा टीआई अनिल बामनिया ने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें शुभम की तलाश में जुटी हुई हैं और ग्रामीण भी सुबह से खोजबीन में लगे हैं। उन्होंने कहा कि नदी में पानी का स्तर बढ़ने से तलाश अभियान में दिक्कत आ रही है, लेकिन हम शुभम की तलाश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

सबसे अधिक खाते पाकिस्तान, यूएई, थाइलैंड और कंबोडिया में बेचने के मामले

दुबई और पाकिस्तान में बैठे साइबर ठगों को एजेंट बेच रहे बैंक खाते

भोपाल। साइबर ठगी की वारदातें जितनी तेजी से बढ़ रही हैं, उतनी ही तेजी से इसके तरीके भी बदले हैं। अभी तक लोगों से ठगी गई राशि बैंक खातों से होकर विदेश में बैठे बदमाशों तक पहुंचती थी। जब शिकायत होती है तो पुलिस की जांच भी इसके इर्द-गिर्द घूमती है। ऐसे में पुलिस से बचने और उनकी जांच को अधिक जटिल बनाने के लिए ठगों ने नया रास्ता निकाला है। अब वे एक साथ कई बैंक खातों का उपयोग करने लगे हैं। यह खाते किसी और के नहीं, बल्कि आम जनता के होते हैं, जो यहां सक्रिय एजेंटों द्वारा लालच देकर खुलवाए जाते हैं। ठगों को बड़ी संख्या में बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले ऐसे एजेंट देशभर में सक्रिय हैं। ठग इन्हीं बैंक खातों का उपयोग करते हैं और फिर रुपये अपने देश के बैंक खातों में ट्रांसफर कर लेते हैं। मालूम हो कि साइबर ठगों को बैंक खाते बेचने वाले ऐसे 100 से अधिक एजेंट और खाताधारकों को पुलिस ने इस वर्ष गिरफ्तार किया है। इनमें से करीब 20 गिरफ्तारियां मध्य प्रदेश से हुई हैं। इन सभी आरोपियों ने ठगों को उनके बैंक खातों का पूरा एक्सेस ठगों को दिया था। इनमें न सिर्फ देश में बैठे साइबर ठग शामिल थे, बल्कि विदेश में भी हमारे लोगों के बैंक खाते बेचे गए हैं। सबसे अधिक खाते पाकिस्तान, यूएई, थाइलैंड और कंबोडिया में बेचने के मामले आए हैं। हालांकि केरल, हरियाणा और राजस्थान समेत देश के विभिन्न राज्यों में सक्रिय साइबर गिरोह का तरीका बिल्कुल अलग है। वे ठगी की राशि अलग-अलग बैंक खातों में डालकर एटीएम के माध्यम से निकाल लेते हैं। इससे पुलिस जांच में पेंच फंसते हैं। गरीब-मजदूर एजेंटों के निशाने पर साइबर ठगों को खाते उपलब्ध कराने वाले एजेंट गरीब और मजदूर परिवारों को निशाना बनाते हैं।

कम-पढ़े लिखे और बुजुर्ग लोगों को बनाते हैं निशाना - भोपाल साइबर क्राइम सेल प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि ये एजेंट झुग्गी बस्ती में जाते हैं और लोगों से बातचीत कर पैसों का लालच देकर उनके बैंक खाते खुलवाते हैं, पर खाते का पूरा एक्सेस अपने पास रखते हैं। कई बार वे सरकारी योजनाओं के माध्यम से कम-पढ़े लिखे और बुजुर्ग लोगों को गुमराह कर उनसे दस्तावेज इकट्ठा कर लेते हैं और उनके खाते खुलवा देते हैं। ऐसे में पुलिस जांच के दौरान खातों के जरिये गरीब-मजदूरों तक पहुंच जाती है, जिन्हें स्वयं अपने बैंक खातों की जानकारी नहीं होती है। इस पूरे मामले में बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत भी सामने आई है। इन्हीं मामलों के चलते पुलिस ने बीते दिनों एक बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही पूर्व में महाराष्ट्र में भी एक सेल्समैन को पकड़ा था।

लेन-देन की निगरानी की जाए साइबर ठग पुलिस की जांच को जटिल बनाने के उद्देश्य से कई सारे बैंक खातों का उपयोग कर रहे हैं। वे इन्हीं खातों से अलग-अलग स्थानों से ठगी की राशि निकालते हैं। इसे रोकने के लिए जरूरी है कि बैंक खातों में बड़ी राशि के लेन-देन की निगरानी की जाए। - **सुजीत तिवारी, एसीपी, साइबर क्राइम**

भाजपा का सदस्यता अभियान: 7.50 लाख से अधिक लोगों ने जमा किए फॉर्म, प्रदेश अध्यक्ष बोले- रिकॉर्ड बनाएंगे

भाजपा ने 24 घंटे में बनाए 10 लाख से अधिक सदस्य

भोपाल। भाजपा का देशभर में सदस्यता अभियान चल रहा है। मध्य प्रदेश भाजपा ने इस बार डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया है। मध्य प्रदेश में भाजपा का नए सदस्यों को जोड़ने का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में रविवार को प्रदेश में 24 घंटे में 10 लाख से अधिक सदस्य बनाए गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया कि पार्टी के मोबाइल नंबर पर मिस्ड कॉल देकर लोगों ने सदस्यता प्राप्त की है। इसके साथ ही 7.50 लाख से अधिक लोगों ने अपने फॉर्म जमा किए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने मध्यप्रदेश भाजपा की इस बड़ी कामयाबी पर समस्त कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने प्रदेश भाजपा टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह पार्टी की जमीनी पकड़ को और अधिक मजबूत बनाएगा।

युवा मोर्चा ने जोड़े रिकॉर्ड युवा - अभियान के तहत भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने सदस्यता अभियान को पूरे प्रदेश में जोर-शोर से चलाया, जिससे पार्टी को बड़ी सफलता मिली। यह अभियान 3 सितंबर को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू किया गया था और इसके बाद से यह लगातार जारी है। भाजपा युवा मोर्चा ने भी अभियान में रिकॉर्ड युवाओं को जोड़ा है। युवाओं के लिए दो दिन विशेष अभियान चलाया गया था।

अब तक 72 लाख सदस्य बनें - भाजपा के अब तक प्रदेश में 72 लाख से अधिक सदस्य बने चुके हैं। 67 लाख लोगों ने सदस्यता के लिए फॉर्म भरें हैं। पार्टी की योजना आगामी दिनों में इस संख्या को और बढ़ाने की है ताकि आगामी चुनावों में इसका व्यापक प्रभाव देखा जा सके।

उज्जैन और इंदौर में नए प्रोजेक्ट स्वीकृति

सीहोर जिले की 19 करोड़ की सिंचाई परियोजना निरस्त

भोपाल। मुख्यमंत्री रहते शिवराज सिंह चौहान ने अपने गृह जिले सीहोर में जिस सिंचाई परियोजना को स्वीकृति दी थी, उसे मोहन यादव सरकार ने निरस्त कर दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले की एकपनिया नहर रहित लघु सिंचाई परियोजना 19 करोड़ 42 लाख 22 हजार रुपये की निरस्त हुई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन और इंदौर में 11 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई हैं। जल संसाधन विभाग ने परियोजना को निरस्त कर आदेश में कहा है कि प्रमुख अभियंता से प्राप्त प्रस्ताव अनुसार इस परियोजना का कमांड नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत आइएसपी पार्वती लिंक परियोजना से ओव्हरलेप होने के कारण स्थाई वित्त समिति द्वारा 29 अगस्त 2024 को इस परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति निरस्त करने की सहमति दी है। इसी आधार पर अब इस परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति निरस्त की गई है।

11 लघु सिंचाई परियोजनाएं स्वीकृति- जल संसाधन विभाग ने उज्जैन एवं इंदौर जिले की कुल 11 लघु सिंचाई परियोजनाओं की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। इनमें उज्जैन जिले की पंथपिपलाई स्टाम डेम 573.72 लाख रुपये, जमालपुरा स्टाप डेम 456.46 लाख रुपये, गोथाडा स्टापडेम 624.42 लाख रुपये, किथौडारो बैराज 871.10 लाख रुपये की परियोजना शामिल है। इसके साथ ही पिपलिया राघो नंबर-2 बैराज 506.36 लाख रुपये, रमावास नंबर-2 बैराज 634.67 लाख रुपये परियोजना तथा इंदौर जिले की ब्रहाण पिपलिया स्टापडेम 268.90 लाख रुपये, दर्जीकराधिया स्टापडेम 264.03 लाख रुपये, कुदाना स्टापडेम 196.97 लाख रुपये, कायस्थखेडी स्टापडेम 343.05 लाख रुपये एवं सहाडा स्टापडेम 431.91 लाख रुपये की परियोजना शामिल है।

विद्युत वितरण कंपनी ने सात दिन का दिया अल्टिमेटम

अधिकारी-कर्मचारियों के वेतन से होगी बकाया बिजली बिल वसूली

अलग-अलग विभागों में पदस्थ 10 हजार से अधिक बकाया वाले अधिकारी कर्मचारियों को किया चिह्नित

भोपाल। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अब सरकारी विभागों में पदस्थ अधिकारियों कर्मचारियों से बकाया बिल वसूली अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए कंपनी ने अलग-अलग विभागों में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों को चिन्हित किया है, जिन पर बिजली बिल के 10 हजार रुपये से अधिक बकाया हैं। इन सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों को सात दिन के अंदर बिजली बिल बकाया भरना होगा। बिल जमा नहीं होने की स्थिति में इन सभी बकायादार कर्मचारियों की सूची विभाग प्रमुख और कोषालय को भेजी जा रही है। कंपनी ने कहा है कि बकाया बिजली बिल जमा नहीं करने पर इन बकायदारों को अगले महीने वेतन नहीं मिलेगा। बिजली कंपनी ने पहले चरण में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में पदस्थ 500 से ज्यादा अधिकारी कर्मचारियों को टारगेट किया है, जिन पर बिजली कंपनी का एक करोड़ रुपये से अधिक बकाया है। बता दें कि बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने इस संबंध में कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखकर शासकीय विभाग में कार्यरत सेवकों से राशि जमा करने का आग्रह किया था। इसके बाद कलेक्टरों ने भी जिले के सभी विभाग प्रमुखों को पत्र लिखकर इस बात की आवश्यकता बताई थी। पत्र में कहा था कि जिले के विभिन्न शासकीय विभाग में कार्यरत अनेक शासकीय सेवक, नियमित, संविदा, बाह्य स्त्रोत आदि द्वारा अपने बिजली बिल का नियमित भुगतान नहीं किया जाता है। ऐसे कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक ने पत्र लिखा था। कलेक्टर ने पत्र के माध्यम से विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए, कि अपने-अपने कार्य क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन मानदेय आदि भुगतान किया जाता है, उनके विरुद्ध बिजली बिल भुगतान समय पर नहीं करने पर उचित कार्रवाई करें। कंपनी ने कहा है कि इनमें से कई कर्मचारियों के ऊपर लाखों रुपये का बिल बकाया है।

प्रदेश में इस साल 4.50 लाख छात्र-छात्राओं को मिलेगी नि:शुल्क साइकिल

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष 2024-25 में निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना में 4 लाख 50 हजार शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल प्रदान करेगा। इस संबंध में विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हैं। योजना में कक्षा-6 एवं 9 में प्रथम प्रवेश पर पात्र विद्यार्थियों को अध्ययन सुविधा के लिये निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। योजना में पिछले वर्ष 4 लाख 7 हजार विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई थीं। योजना में उन छात्राओं को भी लाभ दिया जायेगा, जिनके छात्रावास और शासकीय स्कूल के बीच की दूरी 2 किलोमीटर या इससे ज्यादा हो। विभागीय अधिकारियों को साइकिल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखे जाने के लिये कहा गया है।

एक माह से नाबालिग बेटी का शारीरिक शोषण कर रहा था सौतेला पिता

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में एक कलियुगी पिता एक महीने से अपनी सौतेली नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर रहा था। बीते दिनों नाबालिग के पेट में दर्द उठा तो उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद रविवार को मां-बेटी ने छोला थाने पहुंचकर आरोपी के विरुद्ध शिकायत की। पुलिस के मुताबिक नाबालिग की मां ने करीब 16 वर्ष पहले अपने पति को छोड़ दिया था और आरोपी से शादी की थी। 16 वर्षीय किशोरी छोला मंदिर की रहने वाली है। वह अपनी मां और सौतेले पिता सहित अन्य भाई-बहन के साथ रहती है। किशोरी ने बताया कि करीब एक महीने पहले जब छोटे भाई-बहन बाहर खेलने गए थे, तभी सौतेले पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वह इसके बाद भी कई बार उसका यौन शोषण कर चुका है।

प्रदेश में बीमारी से निपटने के लिए 4 शहरों में पहल

स्क्रीन पर वीडियो चलाकर डेंगू-मलेरिया को लेकर करेंगे जागरूक

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में मलेरिया और डेंगू की रोकथाम पर केंद्रित एक नए जन जागरूकता अभियान की शुरुआत कर रहा है। प्रदेश राज्य सरकार द्वारा निर्मित और जीसीपीएल द्वारा समर्थित जन जागरूकता वीडियो, भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर सहित मध्य प्रदेश के चार शहरों में जारी किया जाएगा इसके लिए 20 सरकारी कार्यालयों, 10 सरकारी अस्पतालों और 20 प्रमुख ट्रैफिक सिग्नलों पर स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके अलावा, वीडियो की पहुंच और बढ़ाने के लिए इसे सरकारी अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुपों में प्रसारित किया जाएगा। यह अभियान दिसंबर 2024 के अंत तक चलेगा। इसे लेकर विभाग ने भोपाल में सोमवार को एक बैठक कर रणनीति बनाई। डॉ. संतोष भार्गव ने बताया कि लगभग 35,000 लोग प्रतिदिन वीडियो देखेंगे, जिससे इसका प्रभाव बहुत बढ़ जाएगा। वीडियो को रणनीतिक रूप से उच्च-यातायात क्षेत्रों में दिखाने के लिए तैयार किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि संदेश समुदाय के विविध वर्गों तक पहुंचे। यह अभियान दिसंबर, 2024 के अंत तक लाइव रहेगा।

किसी भी महामारी को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय रोकथाम जरूरी- मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के उप निदेशक डॉ. हिमांशु जायसवार ने कहा कि हमें गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ अपनी साझेदारी को फिर से आगे बढ़ाने पर गर्व है, जो एम्बेड कार्यक्रम का हिस्सा है और इसे चल रहे मानसून के दौरान मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का मुकाबला करने के लिए तैयार किया गया है। सार्वजनिक और निजी दोनों संगठनों के सतर्क प्रयास सार्वजनिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। किसी भी महामारी को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय रोकथाम महत्वपूर्ण है और मध्य प्रदेश में यह जागरूकता अभियान हमारे नागरिकों को मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के बारे में शिक्षित करने में आवश्यक भूमिका निभाएगा। साथ मिलकर, हम इन बीमारियों के मामले कम कर सकते हैं और अपने समुदाय के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं।

पिछले 5 साल मलेरिया के मामलों में 89% की आई कमी- बैठक में जानकारी दी गई कि जीसीपीएल और मध्य प्रदेश सरकार के बीच सफल सहयोग के कारण पिछले 5 साल में मलेरिया के मामलों में 89% की कमी आई है और इस अवधि के दौरान राज्य के सबसे अधिक एंडेमिक क्षेत्रों में से 45% में एम्बेड के हस्तक्षेप का योगदान रहा। कुल मिलाकर, इस कार्यक्रम ने पूरे भारत में 11,000 गांवों (इंटरवेंशन विलेज) में से 5,225 गांवों को मलेरिया मुक्त होने में मदद की है। इसके अलावा, इस कार्यक्रम ने वित्त वर्ष 2023-24 में डेंगू के मामलों में 65% की कमी दर्ज की।

2015 से लगातार दे रहे सेवाएं- गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की सस्टेनेबिलिटी एवं सीएसआर प्रमुख, गायत्री दिवेचा ने बताया कि 2015 से हम वेक्टर जनित बीमारियों से मुकाबले के लिए मध्य प्रदेश राज्य सरकार के साथ साझेदारी कर रहे हैं। इस साझेदारी से मध्य प्रदेश को मलेरिया उन्मूलन के लिहाज से श्रेणी 3 से श्रेणी 1 राज्य का दर्जा हासिल करने में मदद मिली। हालांकि, मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मामलों का बढ़ना जारी रहा। हमारे इस संयुक्त प्रयास से स्पष्ट हुआ कि रोकथाम ही मुकाबले के लिए सबसे उपयुक्त साधन है। हमारा उद्देश्य है, सरल लेकिन प्रभावी निवारक उपायों को सामने लाना, जिसे हर कोई अपनी रक्षा के लिए अपना सकता है।

संपादकीय

क्वाड शिखर सम्मेलन में 'चीन' से आगे बढ़कर भी हुआ विमर्श

क्वाड की मौजूदा बैठक चीन तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि क्वाड शिखर सम्मेलन में शीर्ष नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल बनाम गाजा-हमास टकराव, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के साथ-साथ जलवायु, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी आदि पर भी विमर्श किया गया।

क्वॉड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग यानी क्वाड भारत, जापान, अमरीका और ऑस्टे:लिया का एक साझा मंच और समूह है। इस बार अमरीका में क्वाड देशों के नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन भारत में किया जाना था, लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के आग्रह पर अमरीका में ही किया गया। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति बाइडेन का 'विदाई सम्मेलन' रहा, क्योंकि नवंबर के बाद अमरीका में नया राष्ट्रपति होगा। साल 2025 में यह शिखर सम्मेलन भारत में होगा। क्वाड का बुनियादी मकसद 'चीन की दादागीरी' पर अंकुश लगाना ही नहीं है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और खुला माहौल, समुद्री सुरक्षा, शांति और स्थिरता के साथ व्यापारिक आवाजाही को सुनिश्चित करना भी है। भारत को अमरीका, जापान, ऑस्टे:लिया की नौसेनाओं के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास का भी अवसर मिलता रहेगा, यह सामरिक और क्षेत्रीय संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। क्वाड को 'शिखर सम्मेलन' के स्तर तक पहुंचाने का श्रेय राष्ट्रपति बाइडेन को जाता है। इससे पहले चारों देशों के विदेश मंत्री और राजनयिक आदि ही मिला करते थे, लिहाजा शीर्ष स्तर के फैसले नहीं हो पाते थे। अब भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री और अमरीका के राष्ट्रपति क्वाड के शिखर सम्मेलन का हिस्सा हैं। चारों देश ही लोकतांत्रिक हैं। मौजूदा बैठक चीन तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि क्वाड शिखर सम्मेलन में शीर्ष नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल बनाम गाजा-हमास टकराव, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के साथ-साथ जलवायु, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी आदि पर भी विमर्श किया गया।

बहरहाल क्वाड की स्थापना 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने की थी, लेकिन आज चार ताकतवर देश इसके सदस्य हैं। दिसंबर, 2004 में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका ने एक ग्रुप बनाया। इसका पहला शिखर सम्मेलन मार्च, 2021 में ऑनलाइन आयोजित किया गया। तब भी कोरोना महामारी का प्रभाव शेष था। दूसरा शिखर सम्मेलन 24 सितंबर, 2021 को वाशिंगटन डीसी में आयोजित किया गया था। उस दौर में बुनियादी ढांचे, अंतरिक्ष और साइबर सरीखे मुद्दों पर तीन कार्य-समूहों की घोषणा की गई थी। तीसरा सम्मेलन 24 मई, 2022 को टोक्यो, जापान और चौथा शिखर सम्मेलन जापान में ही हिरोशिमा में मई, 2023 को आयोजित किया गया। अब अमरीका में 5वां सम्मेलन हुआ है। दरअसल भारत के संदर्भ में क्वाड एक बहुमूल्य मंच है। इसके जरिये भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री चुनौतियों का जवाब देने में सक्षम हो रहा है। भारत चीन का मुकाबला करने के लिए अन्य देशों की सहायता ले सकता है। अमरीका इस क्षेत्र में अपने समुद्री बेड़े भेजकर चीन को सावधान करता रहा है। दरअसल चीन इस क्षेत्र में अपना एकाधिकार मानता रहा है, जिसे भारत की समुद्री ताकत ने बराबर का जवाब दिया है। भारत को व्यापारिक लाभ भी हुआ है, क्योंकि यह सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक प्रगति के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग और शांतिपूर्ण तरीके से काम करने की प्रतिबद्धता को जाहिर करता है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने और अन्य कार्यक्रमों के लिए प्रधानमंत्री मोदी अमरीका गए। उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन के अलावा जापान और ऑस्टे:लिया के प्रधानमंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने खुलासा किया है कि सभी ज्ञात मुद्दों के अलावा, उभरती प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आतंकवाद रोधी क्षेत्रों पर भी विमर्श किया गया है। चीन की कुंठा यह है कि उसके विदेश मंत्री ने 2018 में क्वाड को सुर्खियां बटोरने वाला विचार और समूह करार दिया था। चीन का यह भी आरोप रहा है कि क्वाड एशिया की क्षेत्रीय शक्तियों के बीच कलह भडकाने का काम कर रहा है। वह चीन के सुपरपॉवर बनने के रास्ते का रोड़ा भी है। दरअसल चीन को अपनी कुंठाओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। बता दें कि अमरीका यात्रा के पहले दिन पीएम मोदी ने क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने कहा कि स्वतंत्र और मुक्त इंडो-पैसिफिक क्षेत्र सभी देशों की साझा प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अहम बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब दुनिया तनाव और संघर्षों से घिरी हुई है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया, साथ ही सभी क्वाड देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की जरूरतों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी देश के खिलाफ नहीं है। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और अन्य वैश्विक नेताओं के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता भी की। इससे पहले पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। मोदी ग्रीनविले के डेलावेयर में बाइडन के घर पहुंचे थे। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने मीडिया से कहा कि इस वार्ता में यूक्रेन युद्ध और क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। प्रेसिडेंट बाइडेन ने पीएम मोदी की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा की सराहना की।

म्यांमार से आतंकियों का मणिपुर में आना खतरनाक

मणिपुर इन दिनों फिर एक बार खबरों में है। म्यांमार से तरफ से करीब नौ सौ आतंकियों के प्रवेश की खबरें चर्चा में है जबकि राजधानी इम्फाल में दिन- दहाड़े एक कैबिनेट मंत्री के सहयोगी का अपहरण हो गया । राज्य के पूर्व मुख्य सचिव के घर पर गोलीबारी हुई , वहीं पूर्व मुख्यमंत्री के घर से लेकर मंदिर एवं त्योहार इत्यादि सभी निशाने पर हैं। दरअसल, ये सारे घटनाक्रम दो समुदायों के आपसी विवाद से उभरी हिंसा का परिणाम हैं। हालिया घटनाओं का क्रम भले एक सितंबर से शुरू है।

मणिपुर इन दिनों फिर एक बार खबरों में है। म्यांमार से तरफ से करीब नौ सौ आतंकियों के प्रवेश की खबरें चर्चा में है जबकि राजधानी इम्फाल में दिन- दहाड़े एक कैबिनेट मंत्री के सहयोगी का अपहरण हो गया । राज्य के पूर्व मुख्य सचिव के घर पर गोलीबारी हुई , वहीं पूर्व मुख्यमंत्री के घर से लेकर मंदिर एवं त्योहार इत्यादि सभी निशाने पर हैं। दरअसल, ये सारे घटनाक्रम दो समुदायों के आपसी विवाद से उभरी हिंसा का परिणाम हैं। हालिया घटनाओं का क्रम भले एक सितंबर से शुरू है। एक तरह से देखा जाए तो यह हिंसा चक्र पिछले वर्ष से अनवरत जारी है। इसे लेकर देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस केंद्र सरकार पर लगातार आक्रामक है। सवालों और आरोपों की यह झड़ी गृहमंत्री अमित शाह के एक वक्तव्य के बाद से कहीं अधिक बढ़ी है।

दरअसल, मोदी सरकार के सौ दिन होने के उपलक्ष्य में गृहमंत्री मीडिया से मुखातिब थे। इस दौरान मणिपुर का जिक्र करते हुए उन्होंने बातचीत से समाधान की बात की है। वहीं जारी हिंसा को आतंकवाद नहीं अपितु जातीय हिंसा करार दिया है। इसके साथ ही स्थिति के नियंत्रण में होने का दावा करते हुए शांति बहाली के अपने संकल्पनाओं को भी पुन: दोहराया है। भारत म्यांमार सीमा पर तारबंदी का भी ब्यौरा दिया गया है। किंतु कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व अनुसार प्रधानमंत्री मोदी का अशांत मणिपुर में एक भी दौरा न करना जारी हिंसा और गतिरोध का सबसे बड़ा कारण है।

बहरहाल, सियासत से इतर की बात करे तो मणिपुर की हालात वाकई चिंतापूर्ण है। संभवत: इसी की अभिव्यक्ति आरएसएस प्रमुख के वक्तव्य में थी। लोकसभा चुनाव उपरांत संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इसको लेकर एक टिप्पणी की थी, तब उन्होंने कहा था- मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है। आवश्यकता प्राथमिकताओं के साथ इसके निराकरण की है।

दरअसल, पिछले साल मई से जारी हिंसा की आग ने मणिपुर में जान माल का व्यापक नुकसान किया है। बात तत्कालीन घटनाक्रम कि करें तो यह सिलसिला ड्रोन बम हमलों के बाद शुरू हुआ है। एक सितंबर से कुकी आतंकी समूहों ने सुनियोजित धमाकों, हमलों की नई शुरूआत की है। ये हमले राज्य के पर्वतीय जिले से लेकर राजधानी के निकटवर्ती जनपदों तक हुए हैं। वहीं राजधानी इम्फाल भी इसके जद में है।

सर्वाधिक दुखद बात यह है कि घातक हमले राजधानी इम्फाल के आसपड़ोस से हो रहे हैं। इस गणेश चतुर्थी को ऐसे ही हमले में मोइरांग अवस्थित एक मंदिर के पुजारी की मौत हो गई थी। वहीं मंदिर भी ध्वस्त हो गया। पुराने घटनाक्रमों को छोड़ भी दें तो भी हालिया घटनाएं बेहद दुखद हैं। विष्णुपुर से लेकर जिरीबाम तक यह हिंसा जारी है। ये स्थान ऐतिहासिक होने के साथ आधारभूत ढांचा के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

जिरीबाम मणिपुर रेल परियोजना का एक महत्वपूर्ण पड़ाव के साथ ही प्रखर स्वतंत्रता सेनानी रानीमां गाइदिन्ल्यू का जन्म स्थान है। वे इस क्षेत्र के नागा जनजाति से आती थीं। ऐसे में यहां हो रहे हिंसा के नाते नागा समुदाय के भी इसमें सहभागी हो जाने की प्रबल आशंका है। विदित हो कि ये समुदाय अब तक इस हिंसाचक्र से पूर्णतया पृथक रहा है। ऐसे ही विष्णुपुर में हो रहे ड्रोन हमले सेना संग्रहालय के लिए भी एक खतरा है। यहां आजाद हिंद फौज के स्मृतिचिन्ह संग ऐतिहासिक पुरातन विष्णु मंदिर समूहों के भी नष्ट होने की आशंका है।

दरअसल, राज्य में जारी हिंसा के बीच कुकी आतंकी संगठन सरेआम सैन्यबलों की वेशभूषा एवं कैस्पिर सैन्य वाहन के साथ घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में राजधानी इम्फाल में भी आक्रोश अपने चरम पर है, जिसकी परिणति राज्यपाल के अधिकृत निवास पर हमले के रूप में सामने है। वहीं मैतेई समुदाय के युवा एवं महिलाओं द्वारा हो रहे रोषपूर्ण प्रदर्शन भी कई बार हिंसक झड़पों में बदल जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई बार नागरिक तो कई मौकों पर सुरक्षा बल के जवान घायल हो जा रहे हैं। इस नाते सरकार ने युवाओं से ऐसी रैलियों से दूर रहने को कहा है। बात वर्तमान घटनाक्रम की करें तो इसे समझने के लिए हिंसा के मूल कारणों को जानना बेहद जरूरी है।

मणिपुर में हिंसा का सिलसिला पिछले वर्ष 3 मई को शुरू हुआ था। हिंसक घटनाक्रम के तत्कालीन कारण के तौर पर उच्च न्यायालय द्वारा मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने से संबंधित एक निर्णय को कारण बताया गया। राज्य के तीन में से दो समुदाय नागा एवं कुकी पूर्व से ही अनुसूचित जनजाति आरक्षण के लाभार्थी हैं।

यह पूर्वोत्तर की विशेष परिस्थिति एवं मणिपुर के कुछेक पुराने कानूनों के नाते भी अत्यंत आवश्यक है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के त्रिपुरा राज्य में भी त्रिपुरी जाति को ऐसे ही विशेष परिस्थितियों का हवाला देते हुए आरक्षित वर्ग में स्थान दिया गया है। जनजातीय दर्जा यहां सरकारी सेवा के साथ ही कर मुक्त होने का भी एक अस्त्र है।

वहीं मणिपुर में यह मैतेई समुदाय को सम्पूर्ण राज्य में कही भी बसने का अधिकार प्रदान कर सकता है। वर्तमान के भेदभाव पूर्ण कानून के नाते ये अपने ही गृह प्रदेश में सिवाय इम्फाल घाटी के कही भी संपत्ति का क्रय विक्रय नही कर सकते हैं। जबकि ये आधी आबादी से कही अधिक है वही इस भूमि के सबसे पुराने निवासी भी मैतेई ही है। विदित हो की इम्फाल घाटी कुल क्षेत्रफल का करीब दस प्रतिशत है जिस पर जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व में परिवर्तन का भी अतिशय दबाव है।

यहां राजशाही एवं ब्रिटिश शासन के दौरान कुकी जनजाति एक छोटे से समुदाय के तौर पर मणिपुर के पहाड़ों में बसा करती थी। किंतु स्वतंत्रता उपरांत अदूरदर्शिता के नाते गलत तरीकों से नागरिकता लेकर सरकारी सुविधाओं के लाभार्थी कुकी लोगों की कुल वृद्धि दर करीब दो सौ प्रतिशत तक हो गई है। म्यांमार से आने वाले इस समुदाय के ऊपर मादक पदार्थों के कारोबार से लेकर वन भूमि पर अवैध कब्जे तक के आरोप है।

वहीं पूरा राज्य नशा कारोबार की जद में है और इस अवैध व्यापार के संचालन में कुकी समुदाय की भूमिका प्रमुख और प्रभावी है। अतएव मैतेई आरक्षण के मुद्दे पर कुकी समुदाय द्वारा राज्यव्यापी हिंसक प्रदर्शन शुरू हुए। जिसके बाद राज्य सरकार ने न्यायालय के दिशानिर्देशानुसार इस मुद्दे को केंद्र के पास भेज दिया था।

दरअसल यह पूरा मसला गंभीरता पूर्वक विचार का भी है। वही मैतेई आरक्षण यहां के किसी दूसरे समुदाय के हितों पर चोट का मसला नहीं है। बल्कि यह विसंगतिपूर्ण कानून की मार झेल रहे आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर एक समुदाय विशेष के समुचित विकास का मुद्दा भर है। जिस पर सहानुभूति पूर्वक विचार की जरूरत थी। किंतु यहां समुदाय विशेष के हित ने सामुदायिक विद्वेष दुर्भावना का रूप ले लिया। कुकी समुदाय के बढ़ते अतिशय आबादी नाते भी यहां का वातावरण भय एवं आक्रोश से भरा है।

इसी नाते मैतेई समुदाय द्वारा राष्ट्रीय नागरिक जनगणना वर्ष को सन् 1951 से ही करने की बात की जाती रही है। दरअसल यहां की जनसंख्या स्वरूप पूर्णतया बदल चुका है। यह भी विवादों का एक बड़ा कारण है। इसके अलावा सुसंस्कृत वैष्णव मैतेई हिंदूओं के आसपास कुकी इसाई चर्च द्वारा जारी आक्रामक गतिविधि एवं धर्मांतरण संबंधित उपक्रम भी इसका एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है। ऐसे में इस हिंसा चक्र के प्रारंभ होने की पूरी संभावना थी। किंतु मणिपुर सरकार इसे रोक पाने में पूर्णतया असफल सिद्ध हुई है।

कुकी बनाम मैतेई का यह विवाद इतना बढ़ा की सत्तर हजार से कही अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। लोकसभा चुनावों की घोषणाओं के बाद से हिंसा महज छिटपुट वारदातों तक सीमित थी। किंतु राहुल गांधी के जुलाई दौरे के बाद से ये पुन: सुलगने लगा है। दरअसल, इस यात्रा के दौरान उन्होंने केवल एक पक्ष विशेष कुकी समुदाय के साथ संवाद किया। वहीं स्वभाव के अनुरूप उनके द्वारा बोली गई गैरजिम्मेराना बातों ने भी समुदायों के बीच वैमनस्यता बढ़ाने का काम किया है, जिसका असर आने वाले उत्तर पूर्व के कई राज्यों में देखने को मिलेगा। मैतेई हिंदुओं के संग जहां मणिपुर के पहाड़ों से लेकर मिजोरम एवं मेंघालय में पुन: उत्पीड़न शुरू होगा। वहीं असम के मैतेई बाहुल्य इलाके से लेकर मणिपुर के इम्फाल घाटी तक में इसकी कड़ी प्रतिक्रिया दिखेगी।

दरअसल, मैतेई समुदाय एक सुसंस्कृत संघर्षशील एवं वीर जाति है, जिसका लिखित इतिहास भी है। इन्होंने म्यांमार पर शासन किया है। चीन की विशाल सेना को 1631 में युद्ध भूमि पर बुरी तरह हराया है। यही नहीं पराजय के बावजूद इन्होंने आंग्ल मणिपुर युद्ध में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। वहीं इतिहास के बुरे वक्तक्त में इनकी महिलाओं ने नुपी लेन युद्ध द्वारा अंग्रेजों से लेकर देशी व्यापारियों तक के खाट खड़े किए है।

ये वही लोग हैं जिनके दम पर आजाद हिंद फौज ने यहां स्वतंत्र भारत की सत्ता कायम की थी। यही नहीं यहां आईएनए का सैन्य मुख्यालय भी बना था। इसके साथ ही यह पूर्वोत्तर भारत में स्वतंत्रता पूर्व चले हिंदी प्रचार अभियान का शुरुआती केंद्र भी रहा है।

आखिर क्या कारण है कि यह समुदाय भी शासन व्यवस्था के खिलाफ हो चला है। एक तो राज्य सरकार दूसरा केंद्रीय गृह मंत्रालय का ढुलमुल रवैया कहीं न कहीं मणिपुर के इन हालात के लिए जिम्मेदार है। गृह मंत्रालय द्वारा मणिपुर समस्या को बेहद हल्के में लेना भी इसके भयावह होने का एक कारण नजर आता है। कुकी आतंकी संगठनों संग प्रतिबंधित मैतेई संगठन भी माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। पुलिस बलों से लूटे गए हथियार अब भी इनके पास भी है, जिसके बल पर ये भी कुकी आतंकी संगठनों से हिंसक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पिछले एक वर्ष में केवल कुकी संगठनों द्वारा ही चार हजार शस्त्रों की लूट हुई है।

मुसलमानों को फिर से डराने की साजिश, वक्फ बिल को लेकर बनाया जा रहा माहौल

वक्फ संशोधन बिल, 2024 को लेकर एक बार फिर भारत में सौ साल पहले के खिलाफत आंदोलन जैसा माहौल बनाने की कोशिश हो रही है। वक्फ और खिलाफत आंदोलन का चोली-दामन का साथ था। हम वक्फ और खिलाफत आंदोलन के घटनाक्रम को एक साथ जोड़कर देखेंगे तो समझ सकेंगे। इसकी शुरुआत 1895 में ब्रिटिश राज की एक न्यायिक कमेटी के कुछ निर्णयों के चलते हुई, जिसमें कहा गया था कि वर्तमान वक्फ सिस्टम सर्वाधिक बुरा और हानिकारक है। यह टिप्पणी ब्रिटिश हुकूमत के अंतर्गत भारत सहित कई देशों में प्रचलित वक्फ व्यवस्था पर थी। अन्य देशों ने इसे स्वीकार कर सुधार का रास्ता चुना, लेकिन भारत में मुस्लिम कट्टरपंथियों से सौदा करने के इरादे से अंग्रेज सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। अंग्रेजों की योजना से इसे मुद्दा बनाकर कुछ कट्टरपंथी जमातों ने इस्लाम की रक्षा के नाम पर मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में विरोध शुरू कर दिया। प्रथम विश्व युद्ध (वर्ष 1914-18) के बाद आटोमन साम्राज्य और उसकी स्वघोषित इस्लामी खलीफा व्यवस्था के खात्मे से परेशान तुर्किये के लोगों द्वारा 'तुर्किये गणराज्य' की

स्थापना को कुछ इस्लामी कट्टरपंथी जमातों ने अंग्रेजों की साजिश और इस्लाम पर हमला प्रचारित कर अंतरराष्ट्रीय इस्लाम बचाओ अभियान शुरू कर दिया। इसका अन्य देशों में तो कोई खास असर नहीं हुआ, पर भारत में यह काफी असरदार दिखा। तब तक जिन्ना इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के बंबई से सदस्य चुने जा चुके थे, जिसे ब्रिटिश हुकूमत में विधायी अधिकार थे। जिन्ना ने अंग्रेजों से साठगांठ कर काउंसिल में 'मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग बिल, 1913' पास करा लिया, जिसका विस्तार और अधिक शक्तियों के साथ 1923 में 'मुसलमान वक्फ एक्ट' के रूप में हुआ।

इस तरह अंग्रेजों ने सोची-समझी साजिश के तहत जिन्ना और मुस्लिम लीग को सांप्रदायिक सियासत का कानूनी हथियार थमा दिया। इसमें कहा गया कि कोई भी मुसलमान अपने परिवार, बच्चों, आश्रितों के आंशिक या पूर्ण समर्थन के लिए वक्फ बना सकता है। यह वक्फ व्यवस्था को निरंकुश बनाने के साथ रजवाड़ों, रियासतों, नवाबों के दान के नाम पर अथाह संपत्तियों को वक्फ का सुरक्षा कवच पहनाकर बचाने और मालिकाना हक कायम रखने की मंशा से प्रभावित था। प्रथम विश्व युद्ध के बाद वक्फ मुद्दे को और धारदार बनाने के लिए मुस्लिम लीग और अन्य कट्टरपंथी नेताओं ने भारत में 1919 में खिलाफत कमेटी बनाई, जिसका कांग्रेस ने भी समर्थन किया। महात्मा गांधी का सोच था कि अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में हिंदू-मुसलमान एकजुट होकर लड़ेंगे तो स्वतंत्रता संग्राम को ताकत मिलेगी, पर खिलाफत आंदोलन का मकसद भारत की आजादी के बजाय देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिये अलग मुल्क की मांग को हवा देने का था। अंग्रेजों ने अपनी बांटो और राज करो की नीति के तहत जिन्ना आदि मुस्लिम नेताओं से साठगांठ कर 1930 में मुसलमान वक्फ एक्ट (रेट्रोस्पेक्टिव) यानी पहले की वक्फ संपत्तियों और व्यवस्था पर भी लागू होने वाला कानून बना दिया। आजादी के बाद वक्फ एक्ट में 1954 से लेकर 2013 तक कई बार संशोधन हुए, लेकिन वे सभी मुख्य रूप से मुसलमान वक्फ एक्ट, 1930 की कापी-पेस्ट ही रहे। बंटवारे के वक्त भारत से जो मुसलमान पाकिस्तान गए, वे जिस जमीन-जायदाद पर ठहरे, आज उन संपत्तियों के मालिक हैं। जो लोग पाकिस्तान में अपना सब कुछ छोड़कर भारत आए, वे आज भी न मालिक और न किराएदार बन पाए, बल्कि 'अवैध कब्जेदार' बनकर रह गए। वे वक्फ बोर्डों के शोषण का शिकार होते रहते हैं। वे भी इस वक्फ सिस्टम के बड़े हितधारक हैं। उन्हें भी मानवीय न्याय मिलना चाहिए। इन्हीं पहलुओं के मद्देनजर 1954 के वक्फ एक्ट में बोर्ड के सदस्य बनने के लिए सिर्फ मुसलमान होना अनिवार्य नहीं था, मगर 2012-13 में संशोधन कर 'मात्र मुस्लिम' कर दिया गया। आज वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ लोग वैसे ही भय-भ्रम का माहौल बना रहे हैं, जैसा खिलाफत आंदोलन के नाम पर इस्लाम बचाओ मुहिम के नाम पर किया गया था। खिलाफत आंदोलन का भारतीय मुसलमानों से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं था। उस आंदोलन की मांग थी कि तुर्किये खिलाफत सुरक्षित रहे, तुर्किये के धार्मिक स्थल सुरक्षित हों, तुर्किये की सीमाएं प्रथम विश्व युद्ध से पहले वाली बहाल हों। इन तीनों मांगों में भारत, भारतीय मुसलमानों का कहीं भी हित नहीं था, लेकिन खिलाफत आंदोलन के जरिये इस्लाम के नाम पर मुसलमानों को बरगलाकर जिन्ना एंड कंपनी ने अपने निहित और सियासी स्वार्थ साधे। आज फिर देश में वैसा ही माहौल खड़ा करने की कोशिश हो रही है। इसमें जाकिर नाइक जैसे कुछ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्रकारी बहुत सक्रिय हैं, जो वक्फ सिस्टम में अहम सुधारों से डरे हुए हैं। उन्हें भी मालूम है कि वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 किसी मस्जिद, दरगाह, इमामबाड़े, धार्मिक स्थलों या इस्लामी कर्तव्यों के लिए न खतरा है, न रोड़ा है, बल्कि इसका उद्देश्य देश में वक्फ सिस्टम को सशक्त, पारदर्शी, प्रभावी और सामाजिक सशक्तीकरण का संवैधानिक सुरक्षा कवच प्रदान करना है। हां, उन लोगों के लिए जरूर चिंता की बात हो सकती है, जो वक्फ संपत्तियों को अपनी निजी जागीर और परिवार की प्रापर्टी मान बैठे हैं। शायद वे वक्फ संपत्तियों द्वारा समाज के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तीकरण के लिए सदुपयोग के विचार से विचलित हैं। इसीलिए एक बार फिर वक्फ के नाम पर देश के मुस्लिम समुदाय को डराने की साजिश कर रहे हैं। इनसे मुस्लिम समुदाय को सावधान रहना होगा।

मामला लालबर्रा जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत नगपुरा का शिवप्रसाद ने कि कार्यवाही कि मांग

पंच पति व नाते रिश्तेदारों को पंचायत कि राशि प्रदान करने व पंचायत चुनाव में गलत जानकारी देने को लेकर पुनः हुई शिकायत

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नगपुरा में सरपंच श्रीमती अनिता जीवन लिल्हारे के द्वारा पद का दुरुपयोग कर पंच पति व नाते रिश्तेदारों को अवैध रूप से पंचायत कि राशि प्रदान करने एवं पंचायत चुनाव 2022 में सरपंच के आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत शपथपत्र में गलत जानकारी देने के आरोप शिवप्रसाद लिल्हारे द्वारा लगाते हुए शिकायत जनपद पंचायत सीईओ से कि गई है तथा कार्यवाही कि मांग कि गई है। वहीं शिकायत पत्र में उल्लेख है कि नगपुरा सरपंच द्वारा अपने सगे जेठ सुन्दर लाल पिता हरिचंद लिल्हारे को ग्राम पंचायत नगपुरा कि रोकड़ बही अनुसार सितंबर 2022 मे प्रमाणक क्रमांक 27,32,33,34के अनुसार अवैध रूप से विभिन्न तिथियों में करीब नब्बे हजार रुपए कि राशि वार्ड नंबर 08कि पंच श्रीमती बिंदिया गोस्वामी के पति त्रिलोकबन गोस्वामी को विभिन्न फर्जी कार्यों का हवाला देते हुए राशि प्रदान कि गई है और सरपंच द्वारा अपने सगे जेठ सुन्दर लाल पिता हरिचंद लिल्हारे को प्रमाणक क्रमांक 35,40,41,51,52,54,56,57,59, 61,77,78व 79 फर्जी कार्य बताते हुए करीब नब्बे हजार रुपए से अधिक कि राशि पंचायत फंड से अवैध रूप से राशि प्रदान कि गई सुन्दर लाल द्वारा कभी भी पंचायत में किसी भी प्रकार का कार्य नहीं किया गया है और सुन्दर लाल के पास स्वयं का ट्रैक्टर या अन्य कोई वाहन उपलब्ध नहीं है उसके बाद भी

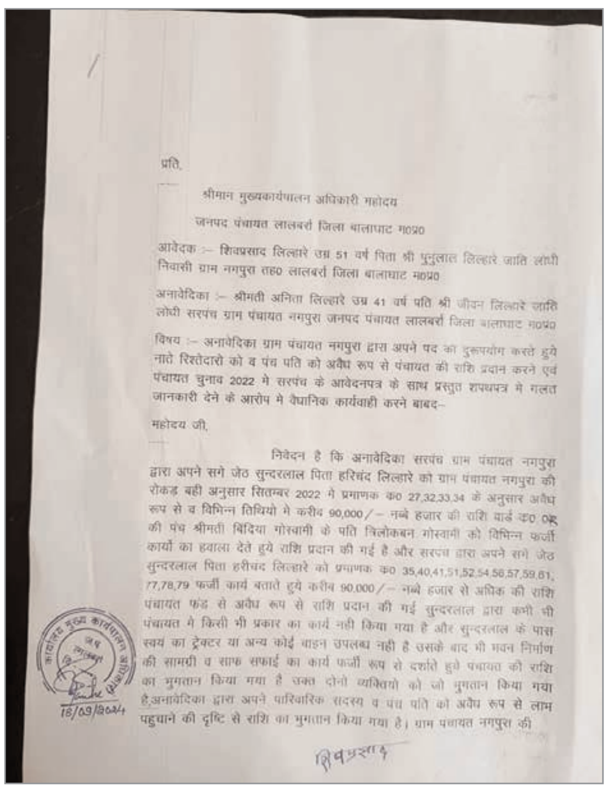
प्रति,

श्रीमान मुख्यकार्यपालन अपिकारी महोदय

जनपद पंचायत लालबर्रा जिला बालाघाट म0प्र0

आवेदक :- शिवप्रसाद लिल्हारे उम्र 51 वर्ष पिता श्री पुनुलाल लिल्हारे जाति लोधी निवासी ग्राम नगपुरा तह0 लालबर्रा जिला बालाघाट म0प्र0

अनावेदिका :- श्रीमती अनिता लिल्हारे उम्र 41 वर्ष पति श्री जीवन लिल्हारे जाति लोधी सरपंच ग्राम पंचायत नगपुरा जनपद पंचायत लालबर्रा जिला बालाघाट म0प्र0

विषय :- अनावेदिका ग्राम पंचायत नगपुरा द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुये नाते रिश्तेदारो को व पंच पति को अवैध रूप से पंचायत की राशि प्रदान करने एवं पंचायत चुनाव 2022 मे सरपंच के आवेदनपत्र के साथ प्रस्तुत शपथपत्र मे गलत जानकारी देने के आरोप मे वैधानिक कार्यवाही करने बाबद-

महोदय जी,

निवेदन है कि अनावेदिका सरपंच ग्राम पंचायत नगपुरा द्वारा अपने सगे जेठ सुन्दरलाल पिता हरिचंद लिल्हारे को ग्राम पंचायत नगपुरा की रोकड़ बही अनुसार सितम्बर 2022 मे प्रमाणक क0 27,32,33,34 के अनुसार अवैध रूप से व विभिन्न तिथियो मे करीब 90,000/- नब्बे हजार की राशि वार्ड क0 08 की पंच श्रीमती बिंदिया गोस्वामी के पति त्रिलोकबन गोस्वामी को विभिन्न फर्जी कार्यो का हवाला देते हुये राशि प्रदान की गई है और सरपंच द्वारा अपने सगे जेठ सुन्दरलाल पिता हरीचंद लिल्हारे को प्रमाणक क0 35,40,41,51,52,54,56,57,59,61, 77,78,79 फर्जी कार्य बताते हुये करीब 90,000/- नब्बे हजार से अधिक की राशि पंचायत फंड से अवैध रूप से राशि प्रदान की गई सुन्दरलाल द्वारा कभी भी पंचायत मे किसी भी प्रकार का कार्य नही किया गया है और सुन्दरलाल के पास स्वयं का ट्रेक्टर या अन्य कोई वाहन उपलब्ध नही है उसके बाद भी भवन निर्माण की सामग्री व साफ सफाई का कार्य फर्जी रूप से दर्शाते हुये पंचायत को राशि का भुगतान किया गया है उक्त दोनो व्यक्तियो को जो भुगतान किया गया है,अनावेदिका द्वारा अपने पारिवारिक सदस्य व पंच पति को अवैध रूप से लाभ पहुचाने की दृष्टि से राशि का भुगतान किया गया है। ग्राम पंचायत नगपुरा की

18/09/2024

शिवप्रसाद

भवन निर्माण कि सामग्री व साफ सफाई का कार्य फर्जी रुप से दर्शाते हुए पंचायत को राशि का भुगतान किया गया है उक्त दोनों व्यक्तियों को जो भुगतान किया गया है अनावेदिका द्वारा अपने पारिवारिक सदस्य व पंच पति को अवैध रूप से लाभ पहुंचाने कि दृष्टि से राशि का भुगतान किया गया है ग्राम पंचायत नगपुरा कि रोकड़ बही पंजी वर्ष 2022 से सितंबर 2024 तक का विस्तृत रूप से जांच कि जाये और अन्य पंचों के पति व परिवार के सदस्यों को भी अनावेदिका के द्वारा अवैध रूप से राशि बिना किसी कार्य के झूठे कार्य बताकर राशि प्रदान कि गई है जिसकी विस्तृत जांच कर अनावेदिका के खिलाफ अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शासकीय राशि का अवैध रूप से भुगतान करने स्वयं व अपने परिजनों को लाभ पहुंचाने व जन विरोधी कार्य करने के कारण तत्काल पद से हटाया जाकर अवैध रूप से राशि प्रदान कि गई राशि /आहरित कि गई राशि अनावेदिका से वसुल कर शासकीय मद में जमा कराये जाने का आदेश प्रदान किया जाना न्यायोचित होगा।

वहीं आगे शिकायत पत्र में उल्लेख है कि अनावेदिका सरपंच द्वारा पंचायत निर्वाचन 2022 के सरपंच ग्राम पंचायत नगपुरा के पद हेतु भरे गये नामांकन फार्म के साथ संलग्न शपथपत्र में गलत व झूठी जानकारी गैर कृषि/ आवासीय/व्यवसायी भूखंड के कालम में किसी प्रकार कि कोई भूमि या भूखंड को निरंक होना बताया गया है साथ ही अनावेदिका द्वारा अपने पति व सभी आश्रितों के कालम में भी निरंक होना बताया गया है जबकि पिछले अनेक वर्षो से शासकीय घास कि भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान निर्माण कर निवास किया जा रहा है इस तरह अनावेदिका द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया में भी दिये गये शपथपत्र में झूठी व फर्जी जानकारी दी गई है 2022 के निर्वाचन के समय शासकीय भूमि पर अनावेदिका के पति जीवनलाल लिल्हारे का अतिक्रमण था और आज भी है जिसकी विस्तृत जांच कि जाकर अनावेदिका के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कि मांग कि गई है।

वहीं शिकायत कर्ता द्वारा प्रेस को जानकारी देते हुए बताया गया कि सरपंच के विरुद्ध पुर्व में 30/7/2024 को कलेक्टर जनसुनवाई में भी शिकायत दर्ज करवाई गई थी जो जांच संदेह के घेरे में है तथा शिकायत को सीएम हेल्पलाइन पर भी कार्यवाही हेतु दर्ज करवाया गया है जिसका शिकायत क्रमांक 28739734 है। वहीं अब देखना यह है कि आखिरकार कब तक शिकायत कि जांच संबंधित अधिकारी करवाते हैं या फिर शिकायत ठंडे बस्ते में रहती है।

नगर परिषद पसान जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

बीच रास्ते पर जानवरो का जमावड़ा दुर्घटना को देता निमंत्रण

सुशील सोनी । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर अंतर्गत पसान नगर परिषद के अध्यक्ष श्री राम अवध जी जो को जिला योजना समिति के सदस्य भी है और एक मेहनती नेता के रूप में जाने जाते है उनके नगर परिषद में ऐसी गैर जिम्मेदाराना कार्य शोभा नहीं देते, नगर परिषद पसान के मुख्य मार्गो में बड़ी संख्या में जानवरो का जमावड़ा लगा रहता है जो को किसी अनहोनी को निमंत्रण देता दिखाई देता है प्रशासन जबकि इस तरह की घटना न हो इसलिए, जानवरो को रास्ते से हटाने हेतु तत्परता दिखा रही है पर ये कार्य केवल पेपरों में सिमटा हुआ नजर आ रहा है , जैसे नगर परिषद में इसका पालन न होना प्रशासन के आदेश की धज्जियां उड़ा रहा है कृपया जिम्मेदार ओस पर संज्ञान लेते हुए ठोस कदम उठाए।

हनुमान जी की पूजा अर्चना कर स्वस्थ एवं दीर्घायु रहने की कामना की बृजेश गर्ग सोनू मित्र मंडली ने

राहुल भैया के जन्म दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में वितरित किए फल

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मंत्री विंध्य के जननायक एवं श्री अजय सिंह राहुल भैया के जन्मदिवस के अवसर पर बृजेश गर्ग सोनू कोठी की मित्र मंडली ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में स्थित बजरंगबली मंदिर पर पूजा अर्चना कर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु रहने की कामना की इसके उपरांत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों एवं उपस्थित उनके परिजनों को फल वितरित किए गए इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में पदस्थ चिकित्सक डॉक्टर मयंक तिवारी पंडित जगन्नाथ शर्मा उमेश सिंह पप्पू रघुराज सिंह अजय सिंह बंटू अशोक शुक्ला विजय राज सिंह कृष्ण भान सिंह विनोद सिंह तेज बहादुर सिंह तन्नी बुनकर उमाशंकर पांडे मुन्ना सिंह कुलदीप सिंह राम भगत गुप्ता अतुल सिंह रायपुर मानवेंद्र सिंह जीतू सोहनलाल कुशवाहा विनोद वर्मा सूरजकांत मिश्रा राजेश तिवारी सहित मित्र मंडली के अन्य कई लोग शामिल रहे.

अमर ज्योति की बैठक संपन्न

नेत्रदाता परिजन सम्मान समारोह कार्यक्रम की की गई समीक्षा

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ

सतना, अमर ज्योति के सक्रिय सदस्य उमेश लोहिया जी के निवास पर अमर ज्योति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें गत दिनों आयोजित नेत्रदाता परिजन सम्मान समारोह कार्यक्रम की समीक्षा की गई जिसमे अगली बार से नेत्रदाता एवं देहदान परिजनों का सम्मान समारोह अलग अलग करने का निर्णय लिया गया। साथ में अमर ज्योति द्वारा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। जिसमे प्रमुख रूप से तहसील स्तर पर नेत्रदान जागरूकता कार्यशालाये आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।बैठक में मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार, संयोजक मनोहर डिगवानी, कमल पुरस्वानी, मनोज अरोरा, हरिओम गुप्ता, मनमोहन माहेश्वरी, विभाष बनर्जी, सुधीर जैन,ललित खुराना, दिलीप सोनी, प्रदीप अरोरा, विपुल हांडा, संजय वाधवानी, अनिल मोटवानी, जेठानंद वाधवानी, घनश्याम मँघरानी, श्यामलाल गुप्ता श्यामू, मनोज वलेजा, विनोद गेलानी, अनिल झुलवानी, नीलांबर झा, दीपक वाधवानी, रूपेश वलेचा, तरुण ठक्कर, भरत आहूजा,पंकज आहूजा, श्रीमती मंजूषा शाह दिनेश अग्रवाल,अशोक ताम्रकार, सुशील गुप्ता, मनोहर आरतानी एवं उमेश लोहिया सपरिवार उपस्थित रहे।

कोल्हामाई मंदिर का फुहारा 2 माह से बंद

भरे पानी मे पनप रहे डेंगू-मच्छर, जिम्मेवार बने लापरवाह

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, नगरीय निकाय के वार्ड क्रमांक 24 स्थित शक्ति बिहार कालोनी में कोल्हामाई मंदिर पर नगर निगम द्वारा लगाया गया फुहारा पिछले लगभग 2 माह से बंद है, पुजारी द्वारा बार-बार शिकायत के बाद भी नगर निगम के जिम्मेवार अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे, वॉर्ड पार्षद से भी कहा गया लेकिन वह भी इसे नजरअंदाज कर रहे हैं, स्थिति यह है कि बंद पड़े फुहारे में पानी भरा हुआ है, जिसमें बड़ी संख्या में डेंगू व मच्छर पनप रहे हैं, जो क्षेत्रीय रहवासियों को महामारी को खुला निमंत्रण दे रहे हैं, यहां मंदिर में दर्शन करने पूरे दिन पब्लिक आती है और बच्चे भी खेलते हैं, लेकिन इस जटिल समस्या का समाधान करने किसी के पास कोई समय नहीं या यूं कहेंगे इसका कोई माई बाप ही नहीं।

किशोरी की साथ किया गया सामूहिक दुराचार,पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

सामूहिक बलात्कार के सभी आरोपी 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, शहर के बगहा मझगंवा भट्ठा से किशोरी बाजार जाने के लिए निकली थी जो घर वापस नहीं लौटी, लापता हो गई किशोरी के साथ सामूहिक दुराचार का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है ।किशोरी के साथ पहले मानिकपुर में और फिर , मैहर जिले के अमदरा थाना क्षेत्र में स्थित नेशनल हाइवे के एक ढाबे मे भी दुष्कर्म किया गया,लड़की अर्ध नग्न अवस्था में कुसेडी गांव के पास स्थित बल्लू ढाबे के समीप चीख पुकार करते हुए भाग रही थी और बीजेपी के सदस्यता प्रशिक्षण शिविर में जा पहुंची थी,लोगो ने किशोरी को देख दंग रह गए और मदद की उसे कपड़े दिए और लड़की का पीछा कर रहे दो युवकों को पकड़ कर अमदरा पुलिस के हवाले कर दिया इस मामले ने सतना के सिविल लाइन थाने में चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है । और चार आरोपी को गिरफ्तार किया है ,पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक योगेंद्र सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई ,जो पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मैहर व मानिकपुर से उक्त प्रकरण के सभी आरोपियों को गिरफ्तार। कर लिया गया है ,और की गई कार्यवाही

गुमशुदा महिला द्वारा बताया गया- दिनाँक 21/09/2024 को समय करीबन 2 बजे मै अपनी मां से कुछ पैसे लेकर बाजार करने के लिए जाना था तथा रेलवे स्टेशन पहुंचना, जहां पर एक लड़का गुड्डू उर्फ दिनेश गुप्ता निवासी मानिकपुर मिलना उसके साथ घूमने फिरने के इरादे से उसके साथ मानिकपुर जाना और वहां एक सुनसान स्थान पर गुड्डू और उसके दो दोस्तों (रज्जी और विक्की) द्वारा बारी बारी से गलत काम करना बाद में गुड्डू उर्फ दिनेश द्वारा पीड़िता से मैहर मंदिर घूमने का बोलकर अपने साथ मैहर लाना एवं मैहर में एक ढाबे में गलत काम करना और वही ढाबे पर ही अर्जुन पटेल द्वारा भी गलत काम करने का प्रयास करना और मौका देखकर भाग जाना और भीड़ के पास पहुंचना बताया, आरोपियों के ऊपर ये लगी है धारा,जो सम्पूर्ण जाँच से आरोपीगण के विरूद्ध अपराध धारा 64(1), 64(2), 70, 351(3) भा.न्या.सं. का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे लिया गया।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

1.गुड्डू उर्फ दिनेश गुप्ता पिता स्व-लखनलाल गुप्ता उम्र 25 वर्ष निवासी गांधीनगर थाना मानिकपुर जिला कर्वी उ.प्र.।

2.अर्जुन पटेल पिता स्व0 जगदेव पटेल उम्र 21 वर्ष निवासी रूपगंज थाना मैहर जिला मैहर।

3.विक्की केशरवानी पिता अज्जू केशरवानी उम्र 23 वर्ष निवासी मानिकपुर थाना मानिकपुर जिला कर्वी उ.प्र.।

4.रज्जी केवट पिता स्व. जौहरिया केवट उम्र 30 वर्ष निवासी गांधीनगर थाना मानिकपुर जिला कर्वी उ.प्र.।

सदस्य संख्या बढ़ाने भाजपा दिला रही अपराधियों को भी सदस्यता

सूत्र : मुन्ना हाजी कुरैशी ने भी ली भाजपा की सदस्यता, खिलाफ कई संगीन अपराध दर्ज

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, भाजपा के वरिष्ठ नेता जब भी किसी कार्यक्रम में अपना भाषण देते हैं तो यही कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी एक साफ सुथरी पार्टी है। पार्टी में साफ सुथरी छवि वाले लोगों को सदस्यता दिलाई जाती है। लेकिन अब इस पार्टी में अपराधियों को सदस्यता दिलाकर शामिल किया जा रहा है। भाजपा के नेता सदस्यों की संख्या बढ़ाने के चक्कर में ये नहीं देख रहे कि कौन व्यक्ति कैसा है और उसके कारनामें क्या हैं ? भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान में इस बहती गंगा में अपराधी भी सदस्यता ले रहे हैं और अपने बचाव के लिए भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। खबर है कि शहर के खूंथी मोहल्ले में रह?ने वाले मुन्ना हाजी कुरैशी ने भी भाजपा की सदस्यता हाल ही में ली है। सिटी कोतवाली में इसके खिलाफ कई संगीन अपराध दर्ज है। कोतवाली में इसकी फ़ोटो बदमाशों की गिनती में लगी थी। अभी हाल ही में मुन्ना हाजी कुरैशी के यहां काम करने वाले अमित यादव की करंट लगने से मौत होने पर जिला अस्पताल में लावारिस छोड़कर चले गए थे, जिस पर मुन्ना हाजी वअन्य के ऊपर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध हुआ था। इसके अलावा बताया जाता है कि मुन्ना हाजी के लड़के फुरकान ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। बताया जाता है कि यह भी पूर्व में जिलाबदर का आरोपी था। ऐसे ही अन्य लोगों को भी भाजपा अपनी सदस्यता की संख्या बढ़ाने के चक्कर में सदस्यता दिलवा रही है। बस भाजपा में शामिल हो जाओ। अब तो आम जनता सवाल उठाने लगी है कि भाजपा में असमाजिक तत्वों की संख्या बढ़ रही है। जिले के जिम्मेदार सब कुछ जानते हुए भी आंख मूंदे हुए हैं। उन्हें तो यही लगता है कि बस संख्या बढ़ती जाए।

बाइक को टक्कर मारकर खंती में जा पलटा स्कूली वाहन, आधा दर्जन बच्चे घायल

बाइक सवार युवक की मौत, दो गंभीर घायल इंदौर रैफर

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, बाइक को टक्कर मारकर स्कूली वाहन पलट गया और इस घटना में पांच से अधिक स्कूली बच्चे घायल हो गए। जबकि बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो गंभीर घायलों को इंदौर रैफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पनवाड़ी स्थित सेंट मैरी स्कूल का स्कूली वाहन सोमवार को बच्चों को दुधाना गांव से लेकर स्कूल जा रहा था, तभी दुधाना में सामने से आ रही बाइक को टक्कर मारते हुए स्कूली वाहन खंती में जाकर पलट गया। वाहन में पचास से अधिक बच्चे सवार थे। घटना में स्कूली वाहन सवार हरिओम पिता आशाराम निवासी जामन, सुमीत पिता धर्मेंद्र निवासी जामन, सुभाष पिता आशाराम, देवकरण पिता अंतरसिंह निवासी बकानी सहित पांच स्कूली बच्चे घायल हो गए जिन्हे उपचार हेतु शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इस हादसे में जितेंद्र बागरी उम्र 35 वर्ष निवासी तिंगजपुर की मौके पर मौत हो गई। जानूबाई और लखन को गंभीर हालत होने पर प्राथमिक उपचार के बाद शाजापुर जिला अस्पताल से इंदौर रैफर कर दिया गया। घायल बच्चों ने बताया कि चालक स्कूली वाहन को चलाते समय प्रिंसिपल से फोन पर बात कर रहा था, तभी सामने से बाइक सवार आ गए और जिससे वाहन टकराकर पलट गया। घटना के बाद बच्चों की मदद करने की बजाए चालक मौके से फरार हो गया।

अस्पताल में हुई मारपीट- दुधाना हादसे में घायल हुए बच्चों को परिजन उपचार हेतु शाजापुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां अभिभावकों ने सही ढंग से उपचार न किए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। इस दौरान महिला सुरक्षाकर्मी और मौजूद लोगों के बीच मारपीट हो गई। इसी दौरान महिला सुरक्षाकर्मी संगीता का कोई व्यक्ति गले से मंगल सूत्र भी छीन ले गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और विवाद को शांत कराया। सुरक्षाकर्मी ने बताया कि अस्पताल गेट पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, जिन्हे वह हटा रही थी तभी कुछ लोगों ने गाली-गलौच कर मारपीट करना शुरू कर दिया। इधर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे बच्चों के परिजनों ने भी महिला सुरक्षाकर्मी पर मारपीट का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता पर एफआईआर की मांग

शिवसेना ने सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, कांग्रेस नेता पर एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग को लेकर शिवसेना पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एडिशनल एसपी टीएस बघेल को ज्ञापन सौंपा। सोमवार को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि देवास कांग्रेस नेता मनोज राजानी द्वारा शिवसेना महाराष्ट्र के निर्वाचित विधायक संजय गायकवाड़ की जुबान काटकर लाने वाले को एक करोड़ रुपए देने की बात कही गई थी। राजानी द्वारा दिए उक्त बयान से शिवसैनिकों के साथ जिले के आमजन की भावनाएं आहत हुई है। ज्ञापन में मनोज राजानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन देते समय शिवसेना नेता दिनेश विश्वकर्मा, राजेश पटेल, तेजसिंह कुशवाह, सुनील कुशवाह, रमेश टेलर, रितेश मेवाड़ा, कृष्णा गवली, मंगल, योगेश बोरासी आदि मौजूद थे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी सरदार विक्रमसिंह ने दी।

जिला पंचायत सीईओ ने की मनरेगा योजना के कार्यों की समीक्षा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जिले में संचालित कार्यों, रोजगार दिवस सृजन, शून्य मस्टर रोल बोरी बंधान, स्टॉप डेम के कड़ी शटर लगाना, गौशाला, ग्रामीण पुस्तकालय एवं अपूर्ण कार्यों की जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी संतोष टैगोर ने सोमवार को समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सहायक यंत्री मनरेगा, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, बीसी मनरेगा एवं उपयंत्री को निर्देशित किया गया कि समय सीमा में शासन के उपरोक्तानुसार कार्यों को पूर्ण कराए जाकर शतप्रतिशत लेबर बजट 2024-25 पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

खजुनावर गांव में पृथक राज्य के लिए उमडा जन सैलाब, पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता :- भगत सिंह वर्मा

पृथक पश्चिम प्रदेश के लिए संघर्ष शुरू हो चुका है युवा शक्ति व छात्र आगे आए आए : आसिम मलिक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर (छुटमलपुर), पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा व भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने ग्राम खजुनावर में एक विशाल पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आठ करोड़ जनता की उन्नति के लिए 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण जरूरी है। जिसके लिए बड़े संघर्ष की शुरुआत कर दी गई है। पृथक राज्य के लिए जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। यह एक जन आंदोलन बनता जा रहा है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक राज्य आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है जिसके लिए किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, दुकानदारों, बुद्धिजीवियों, वकीलों, युवाओं व छात्रों को मिलकर बड़ा संघर्ष करना होगा। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यहां सभी की शिक्षा और चिकित्सा निऱ्शुल्क होगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी। पृथक पश्चिम प्रदेश सभी समस्याओं से रहित होगा, मेरठ में हाईकोर्ट होगा। आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश से 80ब राजस्व देने के बावजूद भी यहां शिक्षा और चिकित्सा नाम मात्र को है और प्रति व्यक्ति वार्षिक आय देश में सबसे कम है। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां प्रति व्यक्ति वार्षिक आय दुनिया में सबसे अधिक होगी और यह सबसे धनवान राज्य होगा। बैठक में सर्वसम्मति से राव शाहिद प्रधान को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक की अध्यक्षता राव तनवीर अहमद ने की और संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अशोक मलिक ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष राव शाहिद प्रधान ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश हम सबकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। हम सब पृथक राज्य के संघर्ष में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के साथ है। राव शाहिद प्रधान ने कहा कि पृथक राज्य बनने पर यहां सभी शिक्षित, बेरोजगार युवाओं को सरकारी व प्राइवेट नौकरी अधिक से अधिक मिलेगी और किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 कुंतल मिलेगा और किसानों की समस्याएं प्राथमिकता पर हल होगी। बैठक को संबोधित करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में अलग राज्य की लड़ाई तेज हो चुकी है और अब यह 2026 तक निश्चित रूप से बन जाएगा। आसिम मलिक ने कहा कि छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव है। पड़ोसी राज्य हरियाणा, पंजाब उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश इसके उदाहरण हैं। पृथक पश्चिम प्रदेश देश का ही नहीं दुनिया का सबसे धनी राज्य होगा और यहां त्वरित गति से कानून व्यवस्था काम करेगी। यहां आम जनता की समस्याओं की अनदेखी नहीं की जाएगी। बैठक में राव बिल्लू प्रधान, सोनू सैनी, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत, मंडल उपाध्यक्ष मोहम्मद जुनैद, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जिला मंत्री प्रवीण चौधरी, संरक्षक रामचंद्र गुर्जर, राव राहत अली, राव खुशनुड, मास्टर शाकिर, मास्टर इनाम, मुस्तकीम राव, जाबाज अली, इब्राहिम, राव अदनान, शहजाद, मोहसिन, आजम, फैसल, नदीम, मोहम्मद अहमद, जुनैद, मंसूर, मोहम्मद फैज, पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश सचिव मुनेशपाल सिंह बुद्ध सहित सैकड़ों लोगों ने पंचायत में भाग लिया।

दमोह जिले में कैबिनेट की बैठक हो रही है, यह एक बड़ा अवसर है-कलेक्टर

सिंग्रामपुर में 05 अक्टूबर को वीरांगना रानी दुर्गावती की 500 वीं जयंती पर होगी कैबिनेट बैठक

धीरज कुमार अहीरवाल सिटी चीफ दमोह, प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी के साथ कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज सिंग्रामपुर केबिनेट बैठक स्थल का जायजा लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, डीएफओ एमएस उइके, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम अविनाश रावत, एसडीओपी पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा 5 अक्टूबर को वीरांगना रानी दुर्गावती की 500 वीं जन्म जयंती है, उसके परिप्रेक्ष्य में संभावना है कि 5 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक यहां होगी। इसी सिलसिले में आज सभी लोग मंत्री के निर्देशन में सिंग्रामपुर में बैठक स्थल, हैलीपेड स्थल आदि स्थानों का भ्रमण किया है और वहां पर सारी व्यवस्थाएं देखी हैं। उन्होंने कहा आवश्यक निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गये हैं, मीटिंग भी कर ली है बहुत व्यवस्थित तरीके से कैबिनेट बैठक के संबंध में चर्चा हुई है, यह पहला अवसर है जब दमोह जिले में कैबिनेट की बैठक हो रही है, यह एक बड़ा अवसर है, जिले के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, सारी तैयारी बहुत चाक चौबंद तरीके से की जायेगी।

समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर के निर्देश

बहते हुए पानी को रोकने के लिए त्वरित कदम उठाएं

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, वर्षा ऋतु समाप्त होने पर है, अत~ नदी-नालों पर बने स्टॉप डेम एवं रपटों पर बहते हुए पानी को रोकने के लिए गेट लगाएं। जहां गेट नही है, वहां बोरी बंधान बनाकर बहता हुआ पानी रोकें। उक्त निर्देश कलेक्टर ऋजु बाफना ने सोमवार को समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने शनिवार एवं रविवार में पानी रोकने के लिए वृहद स्तर पर अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर बाफना ने कहा कि शाजापुर जिला अति दोहन की श्रेणी में आता है, इसलिए भूजल स्तर बनाने के लिए सतह पर पानी रोकना अति आवश्यक है। सभी विभाग नदी-नालों एवं जहां भी पानी बहता हुआ दिखे वहां पानी रोकने के उपाय करें। समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत चल रहे सर्वे के संबंध में निर्देश दिए कि सर्वे के होने के उपरांत सूची का प्रकाशन कर आपत्ति प्राप्त करें। आपत्ति प्राप्त करने के लिए रजिस्टर बनवाएं। जनपद स्तर पर आपत्ति के निराकरण से संतुष्ट नहीं होने पर संबंधित व्यक्ति जिला स्तर पर अपनी आपत्ति अपील के रूप में दर्ज करा सकते हैं।

कलेक्टर ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के महाप्रबंधक को निर्देश दिए कि वे शहरी क्षेत्रों की बैंक शाखाओं को अपग्रेड करने के लिए प्लान बनाएं। साथ ही जिला सहकारी बैंक में कस्टमर केयर शुरू करने के लिए दुरभाष नंबर प्राप्त करें। शाजापुर एवं शुजालपुर के अनुविभागीय अधिकारियों तथा नगरपालिका के सीएमओ को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्य सडक़ों के दोनों ओर से आवागमन में बाधक कब्जों को हटवाएं। स्वास्थ्य विभाग की सीएम हेल्पलाइन पर उपचार से संबंधित आने वाली शिकायतों को जिला चिकित्सालय के लिए बनाए गए नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलदर के मार्गदर्शन में निराकृत कराने के निर्देश दिए। जिन विकासखण्डों में आयुष्मान कार्ड बनाए जाना है, वहां कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से खण्ड स्तरीय शिविर लगाने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिला चिकित्सालय में मेजर ऑपरेशन की संख्या बढ़ाएं। उन्होने कहा कि शासकीय चिकित्सक यदि निजी चिकित्सालयों में शल्यक्रिया आदि करेंगे तो उनके विरूद्ध कार्रवाई के साथ-साथ संबंधित निजी चिकित्सालयों पर भी कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी को कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बिना परमिट चल रहे वाहनों की सूची सरपंचों को भी दें। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी के प्रबंधक को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वे स्व सहायता समूहों की महिलाओं को कृषि से जोडने के लिए उनका एक्सपोजर विजिट कराएं। कलेक्टर ने जिला पंचायत के अधिकारी को निर्देशित किया कि एनआरईजीएस योजना के तहत नंदन फलोद्यान के प्रकरण बनाएं। नगरपालिका शाजापुर सीएमओ को कलेक्टर ने बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। गौशाला निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी गौशालाओं का पंजीयन कराने के लिए कहा। साथ ही कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशाला की गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराएं। इस मौके पर कलेक्टर ने पशु चिकित्सा विभाग की योजना एनएलएम के तहत कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस योजना से किसानों को जोड़ें। कलेक्टर बाफना ने बैठक से बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंधक का 5 दिन का वेतन रोकने के आदेश दिए। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर अर्चना कुमारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने कहा

कांग्रेस ने कभी विकास किया ही नहीं है, सिर्फ देश को बांटने का काम किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि कांग्रेस ने कभी विकास किया ही नहीं है सिर्फ देश को बांटने का काम किया है। राहुल गांधी रोजाना देश को बदनाम करने वाले बयान देते हैं। विदेशों में जाकर भारत के लोकतंत्र के बारे में गलत भाषा का प्रयोग करते हैं। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव गुंडों, माफियाओं पर कार्रवाई होते

ही बेचैन हो उठते हैं। इनके बयान गुंडों और माफियाओं के पक्ष में आते हैं। जिससे जाहिर होता है कि इनकी मानसिकता अपराधियों वाली है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के शासन में 100 से अधिक दंगे हुए है, क्योंकि सपा ने हमेशा अपराधियों को संरक्षण दिया है। नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में वर्तमान में भारत विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था है, जो 2027 तक तीसरी अर्थव्यवस्था होगी। केंद्र सरकार के 100 दिन के कार्यकाल को ही देखें तो 15 हजार करोड रुपए के विकास प्रोजेक्ट पास हुए। योगी सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में सुशासन आया है। अपराधी प्रदेश छोड़कर भागे या फिर जेलों में बंद है। वहीं पूर्व सपा-बसपा सरकार में अपराधियों का बोलबाला था। इस दौरान महापौर डॉक्टर अजय सिंह, विधायक राजीव गुंबर एवं देवेंद्र निम, वाईपी सिंह आदि मौजूद रहे।

उधर उत्सव पैलेस में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय महा सचिव अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने ऊंचाइयों के नए शिखर को छुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में देश को सच्चा जननायक मिला है। जिन्होंने देश के हर वर्ग के उत्थान को पिछले 10 वर्ष में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष डा. महेंद्र सैनी, वाईपी सिंह, महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी, विधायक राजीव गुंबर, देवेंद्र निम, महापौर डॉक्टर अजय सिंह रहे।

सदस्य सेन्ट्रल मॉनिटरिंग कमेटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने अधिकारियों के साथ की बैठक

स्वच्छकारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में अधिकारी बरतें संवेदनशीलता :- भगवत प्रसाद मकवाना

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, सदस्य सेन्ट्रल मॉनिटरिंग कमेटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारित मंत्रालय,भारत सरकार भगवत प्रसाद मकवाना ने सर्किट हाउस सभागार में मैनुअल स्केवेन्जर्स अधिनियम 2013 के लागू होने व पालन करने के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ मण्डलीय समीक्षा बैठक की। भगवत प्रसाद मकवाना ने निर्देश दिए कि मण्डल के तीनों जिलों में 15 दिन के अंदर मैनुअल स्केवेन्जर्स अधिनियम 2013 के अनुसार पात्र सभी का का सर्वेक्षण करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कैम्प लगाकर सर्वेक्षण के फोर्म भरवाए जाएं। उन्होंने कहा कि अधिनियम में उल्लिखित सफाई से संबंधित विभिन्न प्रकार के कर्मचारियों को शामिल किया जाए। मैनुअल स्केवेन्जर्स अधिनियम 2013 के तहत जनपद के 2811 चयनित लाभार्थियों को भी इस सर्वेक्षण में शामिल किया जाए। जल संस्थान में कार्य करने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों को भी सर्वे में शामिल किया जाए। जनपद के सम्बन्धित अधिकारी निगरानी समिति के माध्यम से

प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने जनपद में होने वाले सर्वे में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समिति के सदस्यों एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को एक दूसरे का सहयोग कर अधिक से अधिक पात्रों को शामिल कर योजना से लाभान्वित कराया जाए।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ स्वच्छकारों को दिलाने में संवेदनशीलता बरतें। स्वच्छकारों की बस्तियों में समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए। अधिकारी मैनुअल स्केवेन्जर्स अधिनियम 2013 का गहनता से अध्ययन कर नियमानुसार इसका क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने जनपद में आउटसोर्सिंग, ठेका एवं अन्य माध्यमों से नगर निकायों में तैनात सफाई कार्मिकों के वेतन भुगतान, ईपीएफ, ईएसआई एवं साप्ताहिक अवकाश की जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि किसी भी कार्मिक का शोषण न हो। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर स्वच्छकारों के नियमानुसार भुगतान एवं प्रदत्त सुविधाओं में गड़बड़ी पाई जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होने कहा कि स्वच्छकार एवं अन्य पदों पर कार्यरत आउटसोर्स एवं संविदा कार्मिकों को शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदेय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। सदस्य ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश व प्रदेश सरकार द्वारा सफाई कार्य में लगे हुए स्वच्छकारों के लिए लाभकारी योजनाएं संचालित कर पुनर्वासित किया जा रहा है। स्वच्छकारों के पुर्नवासन के लिए स्वच्छकारों की बस्तियों में अधिक से अधिक कैम्प लगाकर ऋण वितरित किया जाए। श्री भगवत ने बताया कि मा0 उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार सीवर में कार्य करते हुए मृतक स्वच्छकारों के आश्रितों को 30 लाख मुआवजा दिये जाने का प्रावधान किया गया है। बैठक के अन्त में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने सदस्य को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके दिये गए निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किया जाएगा। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन सुरेन्द्र राम, मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय कुमार तिवारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मुजफ्फरनगर गजेन्द्र कुमार, जनपद स्तरीय समिति के सदस्य भारत भूषण, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा, डीपीआरओ आलोक शर्मा समेत विनोद घावरी एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हम सबने ये ठाना है नीमच जिले को स्वच्छ सुंदर पोलेथिन मुक्त बनाना है

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत पर्यावरण मित्रों ने जवाहर नगर एवं ग्वाल टोली में किया 4 घंटे श्रमदान

नीमच/ स्वच्छ - स्वस्थ वातावरण के लिए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण मानव जीवन के लिए अति आवश्यक है, स्वच्छता स्वभाव है तो स्वच्छता बनाए रखना भी हमारे संस्कार है जो हमें हमारे पुर्वज भी करते आएं हैं,, उन्हीं के पदचिन्हों पर चलकर हम सभी को मिलकर स्वच्छ स्वस्थ वातावरण के लिए हमें अपने निवास के आसपास साफ-सफाई रखना,घर से निकलने वाला गीला सुखा गंदा कचरा अलग अलग एकत्रित कर नगरपालिका की कचरा गाड़ी में ही कचरा डालना हम सभी का दायित्व ही नहीं बल्कि ये हमारी संस्कृति है जिसका पालन करना हमारे संस्कार है, संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि यह शहर आपका अपना शहर है इसे स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त प्रदूषण मुक्त बनाना हम सभी का स्वभाव है, अधिकांश लोग अपने घरों से निकलने वाला गीला सुखा कचरा एकत्रित कर सड़क किनारे या नालियों में फेंक देते हैं जिससे नालिया जाम होकर गंदी बदबू के साथ मच्छर पनपते है यही मच्छर हमारी थोड़ी सी लापरवाही के कारण हमारे स्वस्थ शरीर को डेंगू चिकनगुनिया , मलेरिया वायरस से हमें पीड़ित कर देते हैं, इसी तरह प्लास्टिक पोलेथिन थैलियां का उपयोग कैंसर जैसी ख़तरनाक बिमारियों को जन्म देती है ,हम सभी को मिलकर अपने निवास के आसपास एवं शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त बनाना है नीमच शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में नीमच को नंबर वन बनाने में सहयोग करने हेतु एक कदम स्वच्छता की ओर बढ़ा कर माहत्मा गांधी के स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत के सपने को साकार करना है, इसी उद्देश्य को लेकर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था विगत 10 वर्षों से निरन्तर अभियान चला कर शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त प्रदूषण मुक्त बनाने में जुटी हुई है,17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत संस्था सदस्यों ने जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के आव्हान पर डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे के नेतृत्व एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा के मार्ग दर्शन में शहर को स्वच्छ बनाने हेतु नियमित 2 घंटे श्रमदान का बीड़ा उठाया है, अभियान के तहत रविवार दिनांक 22 सितंबर 2024 को प्रात: 6 से 8 बजे तक जवाहर नगर ग्रीन बेल्ट परिसर में गाजर घास उखाड़ कर कंटीली झाड़ियों की साफ-सफाई की गई एवं प्लास्टिक पोलेथिन थैलियां, गंदा कचरा एकत्रित कर ढेर लगाए गए इसके पश्चात 8 से 10 बजे तक ग्वाल टोली तालाब स्थिति खेल मैदान परिसर में डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे के साथ संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के सदस्यों एवं नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों ने मिलकर परिसर से बेशुमार गाजर घास कंटीली झाड़ियों की साफ-सफाई कर प्लास्टिक पोलेथिन थैलियां पन्नी, फटे पुराने कपड़े, जुते चप्पल, गंदा कचरा आदि 15 ट्राली से अधिक जे सी बी एवं अन्य संसाधन से एकत्रित किया, अभियान में डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के संरक्षक नवीन कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, सचिव डॉ राकेश वर्मा, राजकुमार सिन्हा, दुलीचंद कनेरिया, केशव सिंह चौहान, मनीष काठेंड, रमेश मोरे, के साथ ही नगरपालिका के दरोगा, सफाई कर्मचारियों ने 4 घंटे श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में सहयोग किया, उक्त जानकारी संस्था उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा ने दी है।

मेड़ता रोड पार्श्वनाथ मंदिर के सामने से न्यायालय के आदेश पर हटाए अतिक्रमण

तीन थानों का पुलिस जाब्ता तैनात

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, कस्बे में प्रतिवर्ष भरने वाले भगवान पार्श्वनाथ का मेला 27 सितंबर को आयोजित होगा। इसके लिए न्यायालय के आदेश पर पार्श्वनाथ मंदिर के सामने लगे केबिनों को हटाने की कार्यवाही सोमवार को शुरू की गई। जिला एवं शासन न्यायालय मेड़ता के सेल अमीन अमित आत्रेय ने बताया कि माननीय न्यायालय के आदेश पर यह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। लंबे समय से मंदिर की मेला भूमि पर अतिक्रमण दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा था। जिसका जी चाहा उसी ने खाली पड़ी जमीन पर केबिन रखकर कब्जा कर रखा था। कुछ लोगों ने तो जमीन पर केबिन लगाकर दूसरे लोगों को किराए पर भी दे रखे थे। केबिन हटाने की कार्यवाही का कई लोगों ने विरोध किया और कहा कि गरीब आदमियों के पेट पर लात मारने से मंदिर को क्या मिलेगा, जबकि कुछ लोगों ने इस कार्यवाही को उचित भी बताया। कार्यवाही को देखने के लिए मौके पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान तीन थानों मेड़ता सिटी, मेड़ता रोड और

गोटन थाने से भी मौके पर भारी पुलिस जाप्ता बुलाया गया। मेड़ता रोड पार्श्वनाथ मंदिर के सामने से हटाए गए अतिक्रमण के कारण अब मेड़ता रोड की सुंदरता भी यहां के निवासियों को देखने को मिलेगी। ज्ञात रहेगी काफी लंबे समय से पार्श्वनाथ मंदिर के सामने अस्थाई केबिन वालों ने अतिक्रमण कर रखा था। वही मेला मैदान में केवल लगाकर भारी अतिक्रमण कर रखा है जिसको लेकर 30 सितंबर तक कार्यवाही की जाने की संभावना है। क्या करें कि मेला मैदान में एक शहीद स्मारक भी है जो की अतिक्रमण धारियों द्वारा चारों तरफ केवल लगाकर उसकी पूरी तरह से ढक दिया गया है तथा वहां पर सड़ी गली सब्जियां और गंदगी डाल कर शहीद स्मारक को लुप्त कर दिया गया है। जिसके लिए भी स्थानीय लोगों ने कई बार मांग की है। जिसको लेकर अब सभी अतिक्रमण धारियों को 30 सितंबर तक का अल्टीमेटम किया गया है।

जरूरतमन्द महिलाओं को दी सिलाई मशीनें

नीमच । स्थानीय रोटरी डायमंड पार्क पर एक कार्यक्रम के दौरान आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 3 सिलाई मशीन श्री मति उमाजी यादव ने पति स्व.अवदेशजी यादव की स्मृति में जरूरत महिलाओं को दी। जिससे महिलाए मशीन द्वारा आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार का भरण पोषण कर सकती है। क्लब द्वारा जब मशीने दी तो महिलाओं के चेहरों पर ख़ुशी झलक उठी। व उन्होंने उत्साहित मन से क्लब का व दानदाता का धन्यवाद प्रेषित किया। इस मौक़े पर क्लब अध्यक्ष पूजा खण्डेलवाल ने बताया इनरव्हील डायमंड जिले में लगातार 10 वर्षो से गरीब,दिन-दुखियो ओर पीड़ितो की सेवा में हर दम अग्रणीय कदम उठाता आया है ओर आगे भी क्लब बढ़ते क्रम में असहायों और मानवीय सेवा गतिविधियों में अग्रणी रहेगा।उक्त कार्यक्रम में क्लब सचिव अर्पिता जिंदल,सपना जैन,किरण आंचलिया,पलक खंडेलवाल ,एकता पंवार,हिना बदलानी,पायल गुर्जर,अदिति शर्मा,प्रीती गर्ग,काव्या चांवला उपस्थित थे।

महामहिम राष्ट्रपति ने बाग प्रिंट के नेशनल अवॉर्डी मुबारीक खत्री से की मुलाकात और कला का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देख उनके शिल्प को सराहा

भारत के राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार शाम इंदौर में आयोजित खास कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मशहुर बाग प्रिंट के महीन और राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय पटल पर जाने माने कलाकार मुबारीक खत्री से मुलाकात की । वही शिल्पकार मुबारीक खत्री ने बाग प्रिंट कला का लाइव डेमोंसट्रेशन कर राष्ट्रपति महोदया को कला की बारीकियों एवं पारंगत तरीके से अवगत कराया । इसमे इस्तेमाल होने वाली परंपरागत एवं प्राकृतिक फल-फुल व जड़ी-बूटियों से बनने वाले नेचुरल कलर्स के बारे में जानकारी दि। मुबारीक खत्री बाग प्रिंट के वह ख्याति प्राप्त शख्सियत है जिन्हें पूर्व में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है । खत्री पिछले 35 से अधीक वर्षों से इस शिल्प कला में पुरी निष्ठा और लगन से इसके विकास के लिए योगदान दे रहे । खत्री बाग अंचल के सैकड़ो लोगों एवं देशभर के हजारों फेशन डिजाइन विद्यार्थियों को इस शिल्प कला की ट्रेनिंग दे चुके हैं, जिसमें एनआईएफटी और एनआईडी जैसे संस्थान शामिल है । इनके इन योगदान के लिए पूर्व में नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में भारत सरकार के राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार 2017 से भी सम्मानित किया गया था । मुबारीक खत्री बाग प्रिंट के पुश्तैनी कलाकार है जिनका यह पुश्तैनी काम कई सदियों से पीढ़ी दर पीढी चला आ रहा है और विलुप्त होती इस हस्तशिल्प कला को संजोए हुए है। मुबारीक खत्री ने बताया कि इस हस्तशिल्प कला को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है अन्यथा भारत की प्राचीन सभ्यता धीरे-धीरे लुप्त हो जाएगी । मध्य प्रदेश के धार जिले के छोटे से गांव बाग में होने वाली शिल्प कला बाग प्रिंट को महामहिम राष्ट्रपति महोदया ने संज्ञान मे लेकर इस कला में काम कर रहे शिल्पियों का उत्साह वर्धन किया है, जिसके लिए मास्टर शिल्पी मुबारीक खत्री ने राष्ट्रपति को बाग प्रिंट की साडी भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया । सरकार के इन प्रमोशन कार्यो से , आने वाली नई पीडियो को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में भी इस पारंपरिक कला को जारी रखा जा सकेगा। बाग प्रिंट की यह पुश्तैनी कला मध्य प्रदेश के धार जिले के छोटे से कस्बे बाग में होती है जिसमें लकड़ी के ठप्पों की मदद से कपड़े पर छपाई कर बाग प्रिंट की साड़ियां और ड्रेस मटेरियल तैयार किए जाता है , जो कि देश के सभी महानगरों एवं देश-विदेश में खूब प्रचलित है। इस शिल्प कला में पूर्णत- पारंपरिक प्रक्रिया को इस्तेमाल कर कपड़ा तैयार किया जाता है जिसमें की प्राकृतिक फल-फूल और जड़ी बूटियां की मदद से नेचुरल कलर एंड वेजिटेबल डाय्स तैयार कर छपाई की जाती है । इस ऐतिहासिक शिल्प कला बाग प्रिंट में कई नवाचार होते रहे जिसमें मुबारक खत्री एवं उनके पिता श्री हाजी इब्राहिम खत्री बाग प्रिंट गुरु शिल्पकार जैसे शिल्पियों ने अपना संपूर्ण जीवन शिल्प के विकास के लिए लगाया है। हाजी इब्राहिम खत्री बाग प्रिंट के प्रमुख शिल्पकार हैं जिन्होंने अभी तक कई हजार लोगों को इस शिल्प कला का प्रशिक्षण दे चुके हैं एवं 75 साल की उम्र में निरंतर इस शिल्प कला के विकास लिए काम कर रहे हैं । हाजी इब्राहिम खत्री बाग प्रिंट के वह शख्सियत है, जो विश्व भर में अपनी इस कला के लिए जाने जाते हैं ।

सामाजिक सौहर्द बिगाड़ने संबंधी आपत्तिजनक मेसेज वायरल करने तथा थाना मेड़तारोड़ को भीड़ द्वारा आग लगाने संबंधी टिप्पणी करने वाले पर लिया एक्शन

आरोपी भूराराम उर्फ पिंटू जांगिड़ को गिरफ्तार कर भेजा जेल

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ
मेड़ता रोड, सोशल मीडिया पर सामाजिक सौहर्द बिगाड़ने संबंधी आपत्तिजनक मेसेज वायरल करने तथा थाना मेड़तारोड़ को भीड़ द्वारा आग लगाने संबंधी टिप्पणी करने पर पुलिस ने मेड़तारोड निवासी आरोपी भूराराम उर्फ पिन्टू जांगिड़ को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय में पेश किया जहां से जेल भेजा गया है। मेड़ता रोड में गणेश विसर्जन के दिन 17 सितंबर को मेड़ता रोड निवासी भूराराम जांगिड़ के द्वारा एक टीवी चैनल के नाम से फर्जी ग्रुप बनाकर व्हाट्सअप पर पुलिस थाना को भीड़ के द्वारा आग के हवाले करने, पुलिस के विरूद्ध अमर्यादित टिप्पणी करने सहित अन्य ग्रुप पर मैसेज वायरल करते हुए सामाजिक सौहार्द को बिगाडने पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करते हुए जांच मेड़ता सिटी थानाधिकारी के यहां पर भेजी थी। पुलिस अधीक्षक नागौर नारायण टोगस ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सूक्ष्मता से जांच करने के निर्देश दिए थे। इस संबध में मेड़ता सिटी पुलिस थानाधिकारी राजवीर सिंह ने जांच करते हुए आरोपी मेड़ता रोड निवासी भूराराम उर्फ पिंटू जांगिड़ को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय मेंपेश किया जहां से जेल भेजा।

मौसम के अलग रंग: बिहार में बाढ़ से मची तबाही, हिमाचल में गर्मी से लोग हलाकान

बिहार के 12 जिले के 12 लाख लोग जलभराव से प्रभावित

नई दिल्ली। बिहार के 12 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इन जिलों में 12.67 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हालांकि, पटना समेत कुछ स्थानों पर गंगा नदी का जल स्तर कम होना शुरू हो गया है, लेकिन कई नदियां उफान पर हैं। निचले इलाकों में पानी भरा हुआ है। उधर, हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर थमने के साथ ही रविवार को कई ठंडे इलाकों का तापमान बढ़ गया।

प्रदेश के सबसे ठंडे क्षेत्र केलांग का पारा 27 डिग्री के पार पहुंच गया। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) की तरफ से रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि गंगा नदी के किनारे वाले 12 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। निचले इलाके में रहने वाले 12.67 लाख जलभराव से प्रभावित हुए हैं। इन जिलों में 361 पंचायतों पर प्रभाव पड़ा है। इन जिलों में प्रशासन की तरफ से राहत और बचाव कार्यों में 1,400 नावों को लगाया गया है। आठ राहत शिविर लगाए गए हैं जहां बाढ़ प्रभावित लोगों को रखा जा रहा है। प्रभावित जिलों में बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मूंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार शामिल हैं।

रेलवे पुलों तक पहुंचा पानी, कई ट्रेनें रद्द– बिहार के भागलपुर जिले में बाढ़ का पानी रेलवे पुल के गर्डर तक पहुंचने के कारण कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। कई ट्रेनों के मार्ग भी बदलने पड़े हैं। पूर्व मध्य रेलवे ने एक बयान में कहा कि बाढ़ का पानी सुल्तानगंज और रतनपुर स्टेशनों के बीच पुल संख्या 195 के गर्डर को छूने लगा है। संभावित खतरे को देखते हुए जमालपुर–भागलपुर मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया और कई के मार्ग में बदलाव किया गया है।

हिमाचल प्रदेश के कई ठंडे इलाकों का तापमान भी बढ़ा

हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश थमते ही गर्मी के साथ उमस बढ़ने लगी है। प्रदेश के सबसे ठंडे क्षेत्र केलांग का अधिकतम पारा शिमला और कल्पा से भी ज्यादा हो गया है। यहां अब तक के इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा अधिकतम पारा 27.3 हुआ रिकॉर्ड हुआ है। केलांग में 2020 में 28.3 डिग्री अधिकतम पारा रहा था। इससे पूर्व अब तक कभी भी इतना पारा रिकॉर्ड नहीं हुआ। घाटी का अधिकतर इलाका बर्फ और ग्लेशियरों से लकदक रहता है। सितंबर माह में कभी कड़ाके की ठंड और कभी एकदम पारा चढ़ने को भी विशेषज्ञ ग्लोबल वार्मिंग मान रहे हैं। वहीं, शिमला का अधिकतम पारा 26.0 और कल्पा का 25.1 डिग्री दर्ज किया गया है। रात को भी न्यूनतम पारे में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देहरा गोपीपुर में शनिवार रात का पारा 26, पांवटा का 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। यहां रात को भी उमस बढ़ गई है। ऊना में सबसे ज्यादा 36.2 डिग्री और बिलासपुर में 35.1 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा।

हमले के बाद 2 दिनों के लिए स्कूल बंद, हिजबुल्ला चीफ नसरुल्लाह ने दी नतीजे भुगतने की चेतावनी

इजराइल ने लेबनान पर दागी 300 से ज्यादा मिसाइलें, 180 से ज्यादा की मौत

नई दिल्ली। इजराइल ने सोमवारको लेबनान में 300 से ज्यादा मिसाइल दागीं। इस हमले में 180 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। वहीं, 700 से ज्यादा लोग घायल हैं। लेबनान पर यह अब तक सबसे बड़ा हमला है। हमले के बाद लेबनान में दो दिन के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। लोग सुरक्षित जगहों पर जाते देखे गए। इस वजह से कई शहरों में ट्रैफिक जाम की स्थिति है। इजराइल का यह लगातार चौथे दिन मिसाइल हमला है। इस दौरान लेबनान के शहरों पर 900 से ज्यादा मिसाइल दागीं गई, जिनमें अब तक 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इजराइल और लेबनान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। हिज्बुल्ला पर दबाव बनाने के लिए इजराइल ने लेबनान के 300 ठिकानों पर हमला किया है। इजराइली सेना की ओर यह दावा किया गया है। हिजबुल्लाह ने भी इससे पहले पेजर और वॉकी–टॉकी में विस्फोट कराने के जवाब में इजरायल पर अटैक किए थे। इस पर इजरायल ने सीधे युद्ध में भी उतरने का ऐलान कर दिया। अब तक इजरायल का फोकस हमास पर ही था, लेकिन अब उसने लेबनान के खिलाफ भी बाकायदा मोर्चा खोल दिया है।

दर्जनभर से ज्यादा शहरों पर किए हमले– लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हवाई हमले बिंट जेबिल, एतारौन, मजदल सेलेम, हुला, टूरा, कलैलेह, हारिस, नबी चित, तरैया, श्मेस्टार, हरबता, लिबबाया और सोहमोर सहित दर्जनों शहरों पर हुए। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र समन्वयक ने कहा कि राजनयिक प्रयासों को सफल होने की गुंजाइश दी जानी चाहिए, क्योंकि दोनों पक्षों के नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्र की स्थिरता खतरे में है। इजराइल का कहना है कि उसने पूरे लेबनान में लगभग 300 ठिकानों पर हमला किया। इजरायली हवाई हमलों ने बिंट जेबिल, एतारौन, मजदल सेलेम, हुला, टूरा, कलैलेह, हारिस, नबी चित, तरैया, श्मेस्टार, हरबता, लिबबाया और सोहमोर सहित दर्जनों शहरों को निशाना बनाया। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र समन्वयक ने कहा कि राजनयिक प्रयासों को सफल होने की गुंजाइश दी जानी चाहिए, क्योंकि दोनों पक्षों के नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्र की स्थिरता खतरे में है।

हिजबुल्ला और इजराइल के बीच तनातनी चरम पर– गाजा युद्ध का दंश झले रहे पश्चिम एशिया के एक और मोर्चे पर वार–पलटवार तेज हो गया है। लेबनान समर्थक हिजबुल्ला और इजराइल के बीच तनातनी चरम पर है। दोनों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चेतावनियों को दरकिनार कर एक दूसरे की सीमा पर हमला तेज करने की धमकी दी है।

इजराइल ने अपने खिलाफ हमास का साथ देने के लिए खड़े हुए हिजबुल्ला की कमर पूरी तरह तोड़ने की ठान ली है। लगातार कई दिनों से इजराइल ने हिजबुल्ला के खिलाफ जबरदस्त कार्रवाई की है। पहले पेजर, फिर वायरलैस सीरियल ब्लास्ट उसके बाद हवाई हमले किए। वहीं, हिजबुल्ला चीफ नसरुल्लाह ने भी नतीजे भुगतने की चेतावनी दी है। रविवार को हिज्बुल्ला ने उत्तरी इजराइल में 100 से अधिक रॉकेट दागे थे। रॉकेट इजराइल के हाइफा शहर के पास गिरे थे। इस हमले में चार लोग घायल हो गए। वहीं रॉकेट हमले के बाद हिज्बुल्ला के उपनेता नईम कासिम ने खुली लड़ाई का एलान किया था। जवाबी कार्रवाई में, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला किया, जिसमें एक एयरबेस और सैन्य उत्पादन सुविधाएं शामिल थीं।

लेबनान से दागे गए थे 150 से अधिक रॉकेट लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि दक्षिणी क्षेत्रों में इजराइली हमलों में तीन लोग मारे गए, जबकि हिजबुल्ला ने पुष्टि की कि उसके दो लड़ाके मारे गए। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह ने 20 सितंबर को उत्तरी इजराइल पर एक बड़ा हमला किया। लेबनान से रात भर में 150 से अधिक रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन दागे गए। इसके बाद भड़की इजराइली सेना ने पलटवार में हिजबुल्ला के टॉप कमांडर इब्राहिम अकील को ढेर कर दिया। इब्राहिम अकील हिजबुल्ला में दूसरे नंबर पर है, जो सीधे चीफ हसन नसरल्लाह को रिपोर्ट करता है।

गिलहरियों के कारण यात्रियों को खाली करना पड़ा कोच, रद्द करना पड़ी ट्रेन

लंदन। लंदन में एक गिलहरी के ट्रेन में घुसने के कारण उसे रद्द करना पड़ा। इस घटना के चलते कई ट्रेनों के संचालन पर भी असर हुआ। ग्रेट वेस्टर्न रेलवे (जीडब्ल्यूआर) ने बताया कि ब्रिटेन में एक ट्रेन को इसलिए रद्द करना पड़ा क्योंकि उसमें गिलहरियों का एक जोड़ा चढ़ गया था और उसमें एक ने ट्रेन से उतरने से इनकार कर दिया। घटना शनिवार सुबह 8:54 बजे की है। जब दक्षिणी इंग्लैंड के रीडिंग से चलकर गैटविक एयरपोर्ट को जाने वाली ट्रेन में गिलहरियों का जोड़ा चढ़ गया था। जिसे गंतव्य तक पहुंचे से पहले रद्द करना पड़ा। जीडब्ल्यूआर ने बताया कि गिलहरियों के पीछे वाले डिब्बे में घुसने के बाद यात्रियों को ट्रेन के दूसरे हिस्से में जाना पड़ा। जिसके बाद ट्रेन मैनेजर ने उस पूरे डिब्बे को लॉक कर दिया। जब ट्रेन रेडहिल पहुंची तो स्टाफ ने इन गिलहरियों को भगाने की कोशिश की, लेकिन एक गिलहरी ने उतरने से इनकार कर दिया। काफी कोशिशों के बाद जब ट्रेन नहीं उतरीं तो मजूबर रेल प्रशासन को ट्रेन रद्द करनी पड़ी। रेलवे के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया कि, 0854 रीडिंग से गैटविक जाने वाली ट्रेन को रेडहिल पर रोक दिया गया, क्योंकि कुछ गिलहरियाँ रेलवे उपनियमों का उल्लंघन करते हुए गोमशाल से बिना टिकट के ट्रेन में चढ़ गईं। हमने रेडहिल में उन्हें हटाने का प्रयास किया, लेकिन एक ने जाने से इनकार कर दिया और इसके बाद हमने ट्रेन को वापस रीडिंग भेज दिया। वुडलैंड ट्रस्ट के अनुसार, ब्रिटेन में अनुमानित 2.7 मिलियन ग्रे गिलहरी हैं और उनकी आबादी बढ़ रही है। पिछले साल दिसंबर में इसी तरह की एक घटना सामने आई थी। वेयब्रिज और लंदन वाटरलू के बीच एक ट्रेन की सीट के नीचे एक हेजहॉग छिपा हुआ पाया गया था। बाद में इस जानवर का नाम हेक्टर रखा गया और इसे एक रेलकर्मी और उसके परिवार ने गोद ले लिया था।

रिया सिंघा के सिर सजा मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 का ताज, उर्वशी ने पहनाया क्राउन

जयपुर। मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 का ताज भारतीय सुंदरी रिया सिंघा के सिर सजा है। उर्वशी रौतेला ने रिया को विजेता का क्राउन पहनाया। इस भावुक मौके पर रिया ने कहा कि उन्हें 2024 से पहले मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीतने वाले लोगों से काफी प्रेरणा मिलती है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 प्रतियोगिता का खिताब जीतने के बाद सुंदरी रिया सिंघा ने कहा, आज खिताब जीतने के बाद बहुत आभारी हूं। मैंने इस स्तर तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। इस स्तर पर आने के बाद मैं खुद को इस ताज के लायक समझ सकती हूं। उन्होंने कहा कि वे पिछले विजेताओं से बहुत प्रेरित हैं। अभिनेत्री और मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 उर्वशी रौतेला ने कहा मैं महसूस करती हूं कि सभी लड़कियां क्या महसूस कर रही हैं। विजेता बेहद शानदार हैं। उर्वशी ने भरोसा जताया कि मिस यूनिवर्स के वैश्विक मंच पर ये हमारे देश का बहुत अच्छे से प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि इस साल भारत को फिर से मिस यूनिवर्स का ताज मिलेगा। सभी लड़कियां बहुत मेहनती, समर्पित और बेहद खूबसूरत हैं।

किसानों की मांगों के प्रति केंद्र के ढुलमुल रवैये से नाराज अखिल भारतीय किसान महापंचायत ने पूरे देश में आंदोलन करने का किया ऐलान

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में जुटे 21 राज्यों के किसान

नई दिल्ली। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) के आह्वान पर सोमवार को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में हजारों किसानों की आवाज गूंजी। इस दौरान किसानों की मांगों के प्रति केंद्र सरकार के ढुलमुल रवैये से नाराज अखिल भारतीय किसान महापंचायत ने पूरे देश में आंदोलन करने का ऐलान किया।

इस कड़ी में आगामी 17 नवंबर को लाला लाजपत राय की बरसी पर किसान पूरे देश में जिला मुख्यालयों का घेराव करेंगे। इसके बाद 26 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिलकर विरोध दिवस आयोजित किया जाएगा। फरवरी 2025 में किसान सभी प्रदेशों की राजधानियों में राजभवनों के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे। एआईकेकेएमएस द्वारा बुलाई गई महापंचायत में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे 21 राज्यों के हजारों किसानों और खेत मजदूरों ने शिरकत की। महापंचायत में किसान संगठन के नेता जयकरण माण्डौठी द्वारा पेश मुख्य प्रस्ताव में एमएसपी का कानून बनाने और कृषि उपज की सरकारी खरीद सी2+50 प्रतिशत एमएसपी पर करने, बिजली बिल 2023 को निरस्त करने और स्मार्ट मीटर योजना को वापस लेने, कृषि उपयोगी चीजों को सस्ता करने, जीएम बीजों पर रोक लगाने, ग्रामीण गरीबों को पूरे साल रोजगार और पर्याप्त मजदूरी देने, किसानों को ऋण मुक्त करने, पेंशन देने और सिंघु व टिकरी बॉर्डरों पर किसान शहीद स्मारक बनाने आदि मांगों पर सशक्त आंदोलन तेज करने का संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया गया। हर साल बाढ़ से होने वाली भीषण तबाही को रोकने की मांग एक अन्य प्रस्ताव पारित कर असम की ब्रह्मपुत्र नदी घाटी में हर साल बाढ़ से होने वाली भीषण तबाही को रोकने की मांग की गई। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा देश में चार लेबर कोड पर रोक लगाने की मांग का समर्थन किया गया। एआईकेकेएमएस के महासचिव शंकर घोष ने अपने उद्घाटन भाषण में केंद्र की फासीवादी भाजपा सरकार की एकाधिकार पूंजीपति परस्त व किसान -विरोधी नीतियों को किसानों की पीड़ा और कष्टों के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इनके खिलाफ तत्काल एक शक्तिशाली किसान आंदोलन खड़ा करने पर जोर दिया।

किसानों का जीवन बद से बदतर होने का आरोप–मुख्य वक्ता के रूप में किसान नेता एवं एआईकेकेएमएस के अध्यक्ष सत्यवान ने भाजपा सरकार की कृषि नीतियों का पदार्फाश किया। सत्यवान ने कहा कि आज के दौर में किसानों का जीवन बद से बदतर हुआ है। उन्होंने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले साझे किसान आंदोलनों की आवश्यकता पर जोर दिया। किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के भूमिहीन गरीबों को कर्ज से मुक्ति प्रदान की जाए। साठ वर्ष की आयु होने पर इन वर्गों को 10 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाए। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के अन्य प्रमुख नेता बलबीर सिंह राजेवाल, जोगिंदर सिंह उग्राहां और प्रेम सिंह गहलावत ने भी किसान महापंचायत को संबोधित किया। किसान नेता अशोक ढवले का लिखित संदेश पढ़कर सुनाया गया। किसान महापंचायत के अध्यक्ष रघुनाथ दास ने किसान आंदोलन के शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए किसानों से आगे आने की अपील की।

मोदी बोले– हमारे पास प्रतिभा, लोकतंत्र और बाजार

एडोब सहित 15 टेक कंपनी के सीईओ के साथ प्रधानमंत्री की बैठक

वॉशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ के साथ एक राउंडटेबल बैठक में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भारत की विकास संभावनाओं पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों पर चर्चा की। यह बैठक रविवार को मोदी की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के दूसरे चरण के दौरान लोटे न्यूयॉर्क पैलेस होटल में हुई। पीएम मोदी की अमेरिकी टेक कंपनियों के सीईओ के साथ हुई बैठक में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित इस राउंड टेबल सम्मेलन में गूगल के सुंदर पिचाई, एनवीडिया के जेनसन हुआंग और एडोबी के शांतनु नारायण जैसे प्रमुख सीईओ शामिल हुए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 21वीं सदी तकनीक द्वारा संचालित है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जो तकनीक से संचालित न हो...तकनीक और लोकतंत्र के बीच संतुल की आवश्यकता है क्योंकि लोकतांत्रिक मूल्यों और तकनीक का संगम मानव कल्याण की गारंटी देता है...तकनीक बिना लोकतंत्र संकट का माहौल बनाती है। भारत एक ऐसा देश है जिसमें बहुत सारी प्रतिभा, लोकतंत्र और बाजार हैं... प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, .पिछले साल जब मैं वाशिंगटन आया था, तो मैंने एक हाई–टेक हैंडशेक कार्यक्रम में भाग लिया और मुझे आप में से कुछ से मिलने का मौका मिला...आज, एक साल बाद, मुझे दुनिया के प्रमुख नवप्रवर्तकों के साथ बैठकर गर्व महसूस हो रहा है। भारत के प्रति ऊर्जा, उत्साह और विश्वास हमें बहुत खुशी देता है...आप सभी ने बहुत सारे सुझाव दिए और आपका अनुभव और सुझाव मेरे लिए बहुत मूल्यवान हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बैठक के बारे में पोस्ट करते हुए लिखा, न्यूयॉर्क में टेक सीईओ के साथ एक सफल राउंड टेबल बैठक हुई, जिसमें प्रौद्योगिकी, नवाचार और अन्य पहलुओं पर चर्चा की गई। मैंने इस क्षेत्र में भारत द्वारा की गई प्रगति को भी उजागर किया। भारत के प्रति अपार आशावाद देखकर मुझे खुशी हुई। विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी सहयोग और महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल भारत–अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के केंद्र में हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हर संभव प्रयास करेगा और कंपनियों को भारत की विकास गाथा का लाभ उठाने के लिए सहयोग और नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731–4202569 फैक्स नं : 0731–4202569